धनबाद, शुक्रवार
14 अगस्त 2026
वर्ष : 03 अंक : 315
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ ने लगाया झारखंड सरकार पर युवाओं के साथ अन्याय करने का आरोप

नई दिल्ली,(एजेंसी) : रक्षा राज्यमंत्री और झारखंड से भाजपा सांसद संजय सेठ ने झारखंड सरकार पर युवाओं के साथ अन्याय करने और सरकारी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने झारखंड में हुए प्रदर्शन के दौरान युवाओं पर दर्ज एफआईआर और परीक्षा के परिणाम में हुई अनियमितता पर सरकार को सीधे तौर पर दोषी माना।

संजय सेठ ने आरोप लगाया कि झारखंड में प्रदर्शन के बाद करीब 600 युवाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उनका कहना है कि ये युवा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने पहुंचे थे और न तो उन्होंने हिंसा की और न ही पथराव किया। ऐसे में उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज करना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदर्शन से पहले पूरे शहर में बैरिकेडिंग और रेजर वायर लगाए गए थे। अब मुख्यमंत्री आवास के आसपास भी रास्तों को रेजर वायर से बंद कर दिया गया है, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

अमित मालवीय का कांग्रेस पर हमला, बोले- गाली-गलौज भारत के संस्कार नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करना कांग्रेस का इतिहास रहा है और उसे इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी है।

मालवीय ने कांग्रेस नेताओं पर अहंकार और विशेषाधिकार की मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि देश ऐसे नेताओं को स्वीकार नहीं करेगा जो साधारण पृष्ठभूमि से उठकर प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। मालवीय ने अपने पोस्ट के अंत में कहा कि ह्लगाली-गलौज और अपमान भारत के संस्कार नहीं हैं।ह्व इस बयान के जरिए उन्होंने राजनीतिक विरोध में भाषा की मयार्दा बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के लिए बंदर जैसे शब्दों का इस्तेमाल कांग्रेस की राजनीतिक भाषा और सोच को दशार्ता है।

राष्ट्रपति ने संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप एवं पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को वर्ष 2024 और 2025 के लिए 100 से अधिक प्रख्यात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कलाकार भारतीय परंपरा के वाहक होने के साथ हमारी सामूहिक स्मृति के संरक्षक और भविष्य की दृष्टि के सृजनकर्ता हैं।

इस अवसर पर रामलाल बरेठ, ए.वी. आनंद, रीता गांगुली, पुरु दधीच, चित्तरंजन ज्योतिषी, पसुमार्थी रत्तैया शर्मा और सुधरानी रघुपति सहित सात कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप से अलंकृत किया गया।वर्ष 2024 के लिए संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोक एवं जनजातीय कला सहित विभिन्न क्षेत्रों के 54 कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें बांसुरी वादक राकेश चौरसिया, अभिनेता अरुण नालवड़े और लोक नृत्यांगना गुलाबी सपेरा सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।वर्ष 2025 के लिए भी विभिन्न कला विधाओं से जुड़े 54 कलाकारों को अकादमी पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें भरतनाट्यम की कलाकार रोजा कन्नन, कथक से जुड़े कृष्ण मोहन मिश्रा महाराज, रंगमंच निर्देशक कपिलदेव चंद्रकांत शुक्ला और लोक संगीत कलाकार भेरू सिंह चौहान सहित अन्य कलाकार शामिल हैं।

हिमाचल में कहर: 163 लोगों की मौत और 910 करोड़ का नुकसान

शिमला(एजेंसी) : हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के बीच लोगों को बुधवार को कुछ देर के लिए राहत मिली थी और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली थी। हालांकि, यह राहत ज्यादा लंबी नहीं टिकने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त से प्रदेश में मानसूनी बारिश के फिर से रौद्र रूप दिखाने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का नया येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अचानक जलस्तर बढ़ने का बड़ा खतरा बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं का यह दौर कितना भयानक रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार 30 जून से लेकर अब तक मानसून सीजन में कुल 163 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 70 मौतें प्राकृतिक आपदाओं

और 93 मौतें सड़क हादसों के कारण हुई हैं, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं।

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बीते 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से 313 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। इसके अलावा, 112 ट्रांसफार्मर ठप पड़ने से कई इलाकों में बिजली गुल है, जबकि 65 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आपदाओं की इस फेहरिस्त में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं भी सामने आई हैं। हाल ही में सिरमौर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बिना बारिश के ही एक तीन मंजिला मकान अचानक ढह गया, जिससे मलबे में दबकर एक महिला और उसकी गर्भवती बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, सोलन के पास नेशनल हाईवे पर कार पर पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई थी और उसका परिवार घायल हो गया था। इसके अलावा, राज्य भर में सैकड़ों पक्के और कच्चे मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से जमींदोज हो चुके हैं, और पशुशालाओं तथा पशु-पक्षियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। राजस्व विभाग और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल को बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों को मिलाकर 910 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली और बागवानी समेत कई विभागों की संपत्तियों को क्षति पहुंची है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 से 18 अगस्त तक भी बारिश का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात के तौर पर नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

बंगाल में गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक के पास से सेना के पूर्वी कमान के मुख्यालय का नक्शा व तस्वीरें बरामद

कोलकाता, (एजेंसी) :पश्चिम बंगाल में पाकिस्तानी नागरिक और उसके सहयोगी की गिरफ्तारी के एक दिन बाद राज्य पुलिस की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने जांच तेज कर दी है। जांचकताओं के सामने अब यह पता लगाने की चुनौती है कि आरोपितों के पास भारतीय सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय फोर्ट विलियम का नक्शा और तस्वीरें कहां से आईं और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था।

पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने मंगलवार देर रात उत्तर 24 परगना जिले के हाबरा इलाके से राणा रऊफ खालिद उर्फ वहाब आलम और उसके सहयोगी मोहम्मद इजाज को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों के मुताबिक दोनों जेसोर रोड के रास्ते बांग्लादेश सीमा की ओर जाने की कोशिश कर रहे थे।

एक वरिष्ठ एसटीएफ अधिकारी ने बताया कि फोर्ट विलियम से संबंधित नक्शे और तस्वीरों की बरामदगी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये सामग्री आरोपितों

तक कैसे पहुंची और क्या इसका संबंध किसी तरह की सूचना जुटाने की गतिविधि से था।

अधिकारी के अनुसार, आरोपितों के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। फोन से पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश से जुड़े सोशल मीडिया की बातचीत और कई फोन नंबर मिले हैं। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ बातचीत और फोन नंबर हटाए गए थे।एसटीएफ अधिकारी ने बताया कि हटाई गई बातचीत और नंबरों की सावधानीपूर्वक जांच की जा रही है। जांचकताओं का प्रयास है कि आरोपितों के संपर्कों, उनके बीच हुई बातचीत की प्रकृति और इन माध्यमों से किसी तरह की सूचना साझा किए जाने की स्थिति का पता लगाया जा सके।जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि दोनों किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे या नहीं। विशेष रूप से इस बात की जांच की जा रही है कि भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और सैन्य गतिविधियों से जुड़ी कोई जानकारी देश के बाहर भेजी गई हैं या नहीं।

अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रियों को दिखाया रेलवे का वार रूम, एआई से हो रही लाइव निगरानी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को रेलवे के वार रूम की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस दौरान मंत्रियों ने लाइव स्टेशन फीड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रणालियों और परिचालन संबंधी आंकड़ों के जरिए रेलवे गतिविधियों की निगरानी की व्यवस्था को देखा।

रेल मंत्री ने बताया कि वार रूम से रेलवे स्टेशनों की लाइव फीड देखी जा सकती है। इसमें प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज और स्टेशन के बाहर के क्षेत्रों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकती है। नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन जैसे प्रमुख स्टेशनों की लाइव फीड एक केंद्रीय स्थान से मॉनिटर की जा सकती है।

प्रणाली में अधिकारियों को किसी विशेष स्थान की स्थिति का बारीकी से जायजा लेने के लिए अलग-अलग कैमरा फीड को जूम करने की सुविधा भी उपलब्ध है। एआई आधारित प्रणाली निर्धारित

संकेतों के आधार पर जानकारी उपलब्ध करा सकती है कि किसी विशेष स्थान पर क्या हुआ। इससे अधिकारियों को किसी घटना को तेजी से समझने और उसके अनुसार कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

रेलवे के ह्यवार रूमह्ल का इस्तेमाल भीड़भाड़ वाले समय, त्योहारों और अधिक यात्री आवागमन वाले अवसरों पर विभिन्न स्टेशनों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा सकता है। इससे यात्रियों की संख्या और उनके आवागमन में होने वाले बदलावों की निगरानी में मदद मिलती है।

यह प्रणाली ट्रेनों की आवाजाही और उनके विलंब की भी निगरानी करती है। अधिकारी यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सी ट्रेन देरी से चल रही है और देरी का कारण क्या है। उपलब्ध जानकारी के आधार पर रेलवे की टीमें स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई कर सकती हैं, ताकि देरी को आगे बढ़ने से रोका जा सके।

दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने रेलवे के ह्यवार रूमह्ल में लाइव स्टेशन फीड, एआई आधारित विश्लेषण और ट्रेन परिचालन संबंधी आंकड़ों के माध्यम से रेलवे परिचालन की निगरानी की पूरी प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, मानसून सत्र का अधिकांश समय चढ़ा हंगामे की भेंट

नयी दिल्ली, (एजेंसी) :राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के पेपर लीक, विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने और अयोध्या में राममंदिर के चढ़ावा चोरी की जांच की मांग को लेकर अधिकांश समय विपक्ष के हंगामे और शोरगुल की भेंट चढ़े संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकालीन के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। श्री बिरला ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की तो विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। श्री बिरला ने वंदे मातरम् के गायन के लिए सदस्यों से खड़े होने का आग्रह किया। राष्ट्रगीत के बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दी। इसके साथ ही 20 जुलाई से शुरू हुआ संसद का मानसून सत्र समाप्त हो गया।इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, विपक्ष के नेता राहुल गांधी

सहित सभी दलों के प्रमुख नेता मौजूद थे।

राज्य सभा में विपक्ष के शोर-शराबे और हंगामे के बीच खान एवं खनिज विकास संशोधन विधेयक 2026 को पारित करने के साथ सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।इस विधेयक को हंगामे के बीच ही पूर्वाह्न में शून्यकाल की जगह चर्चा और पारित करने के लिए रखा गया। खान मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा चर्चा के उत्तर के बाद सदन में विपक्षी सदस्यों के सभी संशोधनों को ध्वनि मत से खारिज करते हुए विधेयक को पारित किया।सभापति सी पी राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में राज्य सभा के मानसून सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा करते हुए सत्र के दौरान हुए व्यवधानों को गहरी चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि इस सत्र के दौरान लगातार अव्यवस्था बनी रही जो 'गहरी चिंता का विषय है।'

सत्र के दौरान सदन में शोर-शराबे और हंगामे के बीच राष्ट्रीय महत्व के 12 विधेयक पारित किये गये या उन्हें पारित कर लोकसभा को लौटाया गया।

सभापति ने कहा, ह्हमने मानसून सत्र के समय का पूरा उपयोग नहीं किया।

उन्होंने कहा कि सदन की मयार्दाओं की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, क्योंकि अनुशासन और मयार्दाओं के अनुपालन से ही इस महान संस्था के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले सत्र में सदस्य इसका ध्यान रखेंगे और सदन की मयार्दा रखी जाएगी, ताकि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और बल मिल सके।सभापति के विदाई संबोधन के बाद वंदे मातरम् का गायन हुआ और कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी।गौरतलब है कि दोनों सदनों में नीट पेपर लीक, राजधानी में 20 जुलाई को विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय करने और अयोध्या में राममंदिर के चढ़ावा चोरी की जांच की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और अन्य विपक्षी दलों के हंगामे और शोरगुल के कारण दोनों सदनों की अधिकांश समय की कार्यवाही बाधित रही।

पीपलकोटी में टीएचडीसी की निमार्णाधीन टनल में मलबा-पानी भरने से 18-19 लोग फंसे, 13 सुरक्षित निकाले गए

मुख्यमंत्री ने दिए युद्धस्तर पर बचाव के निर्देश

देहरादून/चमोली, (एजेंसी) : उत्तराखंड के चमोली जिले में पीपलकोटी के मायापुर क्षेत्र स्थित टीएचडीसी की निमार्णाधीन टनल में गुरुवार शाम मलबा और पानी भरने की सूचना से प्रशासन और आपदा राहत-बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार टनल में काम कर रहे करीब 18 से 19 लोगों के फंसे होने की सूचना मिली थी। राहत की बात यह है कि अब तक 13 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि शेष लोगों की तलाश और सुरक्षित निकासी के लिए अभियान लगातार जारी है।

घटना का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता टनल में फंसे प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं और घटनास्थल की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने संबंधित

विभागों और सभी बचाव एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बचाव कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं बरती जाए और आवश्यकता के अनुसार सभी उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए। प्रभावित लोगों और उनके परिजनों को भी हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना गुरुवार शाम करीब 7:05 बजे हुई। टनल में मलबा और पानी भरने की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने तत्काल खोज एवं बचाव अभियान शुरू कराया। निर्माण कार्य एचसीसी कंपनी द्वारा किया जा रहा था। घटना की गंभीरता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य के लिए सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना की गई हैं। वहीं डीआईआरएफ, स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ के जवान मौके पर रेस्क्यू अभियान में जुटे हुए हैं।बचाव दल टनल के भीतर की परिस्थितियों का आकलन करते हुए मलबा और पानी हटाने तथा अंदर मौजूद लोगों तक सुरक्षित पहुंच बनाने में जुटे हैं। जिला प्रशासन की ओर से घटनास्थल पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक मशीनरी एवं अन्य संसाधन मौके पर जुटाए जा रहे हैं।

प्रारंभिक सूचना में 18 से 19 लोगों के टनल में फंसे होने की बात सामने आई थी। बचाव दलों के प्रयास से अब तक 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। शेष लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए अभियान जारी है।

प्रशासन की ओर से टनल के भीतर की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बचाव दल परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाकर आगे बढ़ रहे हैं। टनल में पानी और मलबा होने के कारण बचाव अभियान में सावधानी बरती जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने ईश्वर से टनल में मौजूद सभी लोगों के सकुशल होने की प्रार्थना करते हुए कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त संसाधन और बचाव दल भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

फिलहाल राहत की सबसे बड़ी खबर 13 लोगों के सुरक्षित रेस्क्यू किए जाने की है। वहीं प्रशासन, पुलिस और विभिन्न आपदा राहत एजेंसियों का पूरा ध्यान टनल में शेष लोगों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने पर केंद्रित है।

संसद के मानसून सत्र में 12 विधेयक पारित, चर्चा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं : संसदीय कार्यमंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी) : संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र भले गतिरोध के चलते हंगामे की भेंट चढ़ गया लेकिन सरकार 12 विधेयक पारित कराने में सफल रही।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि संसद के मानसून सत्र के दौरान कुल 12 विधेयक पारित हुए लेकिन विपक्ष के लगातार विरोध और व्यवधान की वजह से इन पर चर्चा की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही। उन्होंने बताया कि लोकसभा में 11 विधेयक और राज्यसभा में 2 विधेयक पेश किए गए। वहीं, लोकसभा ने 12 विधेयक पारित किए तथा राज्यसभा ने भी 12 विधेयक पारित किए या लौटाए।

रिजिजू ने दावा किया कि सरकार सदन में चर्चा के लिए तैयार थी और विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहती थी लेकिन विपक्ष ने चर्चा से बचने का रास्ता अपनाया। लोकसभा की उत्पादकता 19 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही। लोकसभा बाधित रहा लेकिन राज्यसभा में कुछ विपक्षी पार्टियों के वॉकआउट के बावजूद कुछ विपक्षी सदस्यों ने बहस में हिस्सा लिया।सत्र में लोकसभा में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। विपक्ष इस विधेयक को वापस लेने की मांग कर रहा था। इसके अलावा परीक्षा पत्र लीक के मामलों में कठोर दंडात्मक कार्रवाई वाला विधेयक लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया गया। इसी विधेयक पर लोकसभा में चर्चा हो पायी, बाकी सभी विधेयक बिना चर्चा के पारित किए गए।

मानसून सत्र में वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने वाला विधेयक राष्ट्र-गौरव अपमान-निवारण

(संशोधन) विधेयक 2026; न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट में सख्या बढ़ाने वाले विधेयक उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 और केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम किए जाने वाला विधेयक केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद की मंजूरी मिली।अन्य पारित विधेयकों में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026; उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026; विनियोग (संख्यांक 3) विधेयक, 2026; सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026; बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026; कराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026; राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026; अधिकरण सुधार विधेयक, 2026; खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 शामिल हैं।

किरण रिजिजू ने कहा कि पहले विपक्ष बातचीत में शामिल होता था जबकि ये लोग विपक्ष में होने के बावजूद चर्चा से भागते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मानसून सत्र कामकाज की दृष्टि से अच्छा रहा लेकिन चर्चा की दृष्टि से अच्छा नहीं रहा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के नेतृत्व में आदित्यपुर में भाजपा ने निकाला तिरंगा यात्रा

सरायकेला (एजेंसी) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आदित्यपुर में भारतीय जनता पार्टी की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इमली चौक से पान दुकान चौक तक निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया। यात्रा का नेतृत्व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेकृष्ण प्रधान समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी यात्रा में शामिल हुए।तिरंगा यात्रा के दौरान कार्यकर्ता देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़े। पूरे मार्ग पर राष्ट्रध्वजों से सजा माहौल देशभक्ति से ओत-प्रोत नजर आया। यात्रा के माध्यम से भाजपा कार्यकताओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और देशभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर चम्पाई सोरेन ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रहित और देश की एकता के लिए सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की यह तिरंगा यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और गौरव का संकल्प है। यह तिरंगा हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, हमारे संविधान और देश के हर नागरिक के सम्मान का प्रतीक है।पूर्व सीएम ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की धरती भगवान बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, पोटो हो समेत अनेक वीर सपूतों की धरती है। हम उनके बलिदान को नमन करते हुए संकल्प लेते हैं कि देश की एकता और अखंडता को और मजबूत करेंगे।उन्होंने कहा कि हमारा संदेश स्पष्ट है जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर हम सब पहले भारतीय हैं। झारखंड की समृद्ध संस्कृति, युवा शक्ति और मेहनतकश जनता के साथ मिलकर हम विकसित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण का संकल्प लेते हैं।इमली चौक से पान दुकान चौक तक निकली इस भव्य तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष हरे कृष्ण प्रधान, मंडल अध्यक्ष अमरेश गोस्वामी, चंचल गोस्वामी, पंकज सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भी भागीदारी रही।

डीपीएस में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अंतरिक्ष विज्ञान से रूबरू हुए विद्यार्थी

रांची (एजेंसी) : डीपीएस ने रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट-इसरो, कोलकाता के सहयोग से गुरुवार को तृतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में विशेष समारोह आयोजित किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल प्रो डॉ गोपाल पाठक थे।कार्यक्रम में डीपीएस, गुरु नानक स्कूल और विवेकानंद विद्या मंदिर के करीब 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।इसरो के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने संवादात्मक सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरिक्ष अभियानों और उपग्रह प्रौद्योगिकी की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. अरिंदम गुहा, डॉ. तनुमी कुमार, डॉ प्रबीर कुमार दास, कोट्टी वेंकट सुधाकर और नीलाद्रि दास शामिल थे।प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता भारत के दृढ़ संकल्प, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रतीक है।उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनने और पाठ्य पुस्तकों से आगे सीखने की बात कही। डॉ. प्रबीर कुमार दास ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के दैनिक जीवन में उपयोग, जबकि डॉ. अरिंदम गुहा ने ह्यइसरो की चंद्र यात्राह्ल पर जानकारी दी।श्री सुधाकर ने उपग्रह आंकड़ा अधिग्रहण तथा डॉ. तनुमी कुमार ने इसरो की जनसंपर्क पहल और अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर चर्चा की।समारोह में अंतरिक्ष प्रदर्शनी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुयी। क्विज में डीपीएस रांची प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि विवेकानंद विद्या मंदिर तीसरे स्थान पर रहा।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने एक भारत श्रेष्ठ भारत विशेषांक किया विमोचन

रांची (एजेंसी) : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय की गृह पत्रिका ह्यसशक्त भारतह्ल के ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल विशेषांक का विमोचन किया।इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक, भाषायी और भौगोलिक विविधता विश्व में अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि विभिन्न परंपराओं, जीवन-शैलियों एवं आस्थाओं के बावजूद हमारा देश सदैव एकता और समरसता की भावना से जुड़ा रहा है और अनेकता में एकता की यही भावना भारत की पहचान एवं सबसे बड़ी शक्ति है।ह्यसशक्त भारतह्ल पत्रिका का नवीनतम अंक ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल की व्यापक भावना को समर्पित है। इसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विविधता को रचनात्मक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। इस विशेषांक के विमोचन के अवसर पर रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।ह्यसशक्त भारतह्ल गृह पत्रिका रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा, साहित्यिक अभिरुचि और विचारों को अभिव्यक्ति देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। राजभाषा प्रभाग, रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका में अधिकारी एवं कर्मचारी लेख, कविताएँ, कहानियाँ, यात्रा-वृत्तांत और विभिन्न विषयों पर आधारित रचनाओं के माध्यम से अपने अनुभवों एवं विचारों को साझा करते है।

खनिज बिल काला कानून, राज्य के अधिकार पर हमला, वापस ले केंद्र : कांग्रेस

रांची (एजेंसी) : लोकसभा द्वारा पारित खान एवं खनिज विकास व विनियमन संशोधन विधेयक 2026 बिल का कांग्रेस ने विरोध किया है।कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा है कि यह काला कानून है। केंद्र ने सीधे राज्य सरकारों के अधिकार छीनने का प्रयास किया है।वित्तीय संघीय ढांचे पर सीधा प्रहार है।केंद्र सरकार इस विधेयक पर अविलंब विचार करे और वापस ले। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की पीठ ने राज्यों को खनिज पर अतिरिक्त सेस लगाने का अधिकार दिया था। केंद्र उसी अधिकार को छीनने के लिए यह बिल लेकर आया है। श्री यादव ने कहा कि इस कानून का झारखंड पर गहरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।केंद्र सरकार चाहती है कि जो राज्य उनके विरोध में हैं, वे अपनी जरूरतों के लिए पूरी तरह केंद्र पर ही निर्भर रहें।इस बिल से राज्य में चल रही कई कल्याणकारी योजनाएं भी प्रभावित होंगी।मइया सम्मान योजना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।इससे 50 लाख से अधिक महिलाओं के अधिकार छिन जायेंगे।श्री यादव ने कहा कि यह बिल केंद्र सरकार वापस नहीं लेती है, तो कांग्रेस सड़क पर उतरेगी।

सीईओ ने पूर्वी सिंहभूम के विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, होम-टू-रोल एवं एक परिवार-एक मतदान केंद्र के अनुरूप मतदाता सूची को सुव्यवस्थित करने का दिया निर्देश

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार मतदाता सूची एवं उससे संबंधित दस्तावेजों को परमानेंट डॉक्यूमेंट के रूप में संरक्षित किया जाता है। वर्तमान में वर्ष 2003 के विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, उन्हें तथा उनके बच्चों को वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग की जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप विगत एसआईआर के डॉक्यूमेंट को सुपीरियर डॉक्यूमेंट के रूप में माना गया है । इसी प्रकार वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण के अभिलेख भविष्य में संबंधित मतदाताओं एवं उनकी संतानों के लिए महत्वपूर्ण सहयोगी दस्तावेज सिद्ध होंगे। इसलिए प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक वर्तमान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता करते हुए मतदाता सूची में अपना तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम अवश्य सुनिश्चित करे।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 72,73,86 एवं 90 तथा बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 270, 152 क्षेत्रों का भ्रमण कर झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत किए जा रहे कार्यों का भौतिक निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संबंधित मतदान केंद्रों के बूथ लेवल पदाधिकारियों द्वारा उनके क्षेत्रों में मतदाता सत्यापन, पात्र नागरिकों के पंजीकरण, मतदाता सूची की शुद्धता तथा घर-घर संपर्क के माध्यम से

किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना एवं एक भी विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो यह सुनिश्चित करने के साथ मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि वे अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचकर पात्र नागरिकों का सत्यापन करें तथा ह्यहोम-टू-रोलह्ल को प्रभावी रूप से लागू करें। प्रत्येक घर एवं परिवार के सभी पात्र सदस्यों का मतदाता सूची से सही जुड़ाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता पंजीकरण से वंचित न रह जाए।के रवि कुमार ने ह्यएक परिवारह्णएक मतदान केंद्रह्ल पर विशेष बल देते हुए कहा कि एक ही परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम एक ही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज होने चाहिए। यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों अथवा अलग-अलग भागों में दर्ज हैं, तो फॉर्म 8 भरकर आवश्यक सुधार की कार्रवाई की जाए। इससे परिवार के सभी मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा प्राप्त होगी।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पात्र युवा नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके अथवा निर्धारित अर्हता तिथियों के अनुसार पात्र होने वाले युवाओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाए तथा फॉर्म-6 के माध्यम से उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। शैक्षणिक संस्थानों, आवासीय क्षेत्रों तथा युवाओं की अधिक संख्या वाले स्थानों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर उनका शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने घाटशिला के किताडीह स्थित सोना देवी विश्वविद्यालय में 13 अगस्त को आयोजित चौथे इंडक्शन सह ओरिएंटेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और नव नामांकित विद्यार्थियों को मतदाता सूची से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि मतदाता के रूप में पंजीकरण केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय सहभागिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्येक पात्र युवा मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराए, अपने विवरण की जांच करे तथा अपने सहपाठियों एवं आसपास के अन्य पात्र युवाओं को भी इसके लिए जागरूक करे। उन्होंने विश्वविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों से पात्र विद्यार्थियों का मतदाता सूची में शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने में निर्वाचन तंत्र को सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने घाटशिला में घर घर सर्वेक्षण की वस्तुस्थिति को जानने हेतु विभिन्न मतदान क्षेत्र के मतदाताओं के घर घर जाकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने बताया कि यदि झारखंड का कोई पात्र नागरिक वर्तमान में किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में पंजीकृत है और अब सामान्य रूप से झारखंड में निवास कर रहा है, तो वह फॉर्म-8 भरकर अपना नाम झारखंड के संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में स्थानांतरित कराने के लिए आवेदन कर सकता है। बीएलओ ऐसे मतदाताओं को आवेदन प्रक्रिया की सही जानकारी दें तथा आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन करें। मतदाता सूची में दर्ज विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर भी निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से संशोधन के लिए आवेदन किया जा सकता है।के रवि कुमार ने बीएलओ को निर्देश दिया कि मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत आवेदनों एवं दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक सत्यापन किया जाए। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, स्थानांतरित करने अथवा विवरण में संशोधन से संबंधित प्रत्येक आवेदन का निष्पादन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। किसी भी पात्र मतदाता का नाम निर्धारित प्रक्रिया एवं सक्षम प्राधिकारी के आदेश के बिना मतदाता सूची से नहीं हटाया जाए।उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना निर्वाचन तंत्र की सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी भी विदेशी अथवा अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। इस-के लिए बीएलओ घर-घर जाकर तथ्यपरक एवं निष्पक्ष सत्यापन करें तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त सूचनाओं एवं दस्तावेजों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षण करें। मतदाता सूची की शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित मतदान केंद्रों की मतदाता सूची, क्षेत्रीय सत्यापन की स्थिति तथा बीएलओ द्वारा संधारित फॉर्म का अवलोकन किया। उन्होंने बीएलओ से क्षेत्र में कार्य करने के दौरान सामने आ रही व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली और मतदाताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बीएलओ भारत निर्वाचन आयोग और मतदाताओं के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके सक्रिय, निष्पक्ष एवं संवेदनशील प्रयासों से ही मतदाता सूची को अधिक समावेशी, शुद्ध और विश्वसनीय बनाया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ द्वारा किए जा रहे परिश्रम एवं घर-घर संपर्क अभियान की सराहना की। उन्होंने बीएलओ को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचना, उसे आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना तथा मतदाता सूची से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करने में सहयोग प्रदान करना बीएलओ की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। के रवि कुमार ने आम नागरिकों से अपील की कि वे मतदाता सूची में अपने तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम एवं अन्य विवरण की जांच अवश्य करें। नाम दर्ज नहीं होने, निवास स्थान बदलने अथवा किसी विवरण में त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से समय पर आवेदन करें। साथ ही सत्यापन के लिए आने वाले बीएलओ को सही जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करें।इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजीव रंजन, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, घाटशिला विधानसभा क्षेत्र एवं बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ, एईआरओ सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पलामू में बिजली संकट को लेकर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने की समीक्षा बैठक, कहा कृषि कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें

पलामू (एजेंसी) : पलामू में कम बारिश एवं भीषण गर्मी के कारण कृषि कार्य प्रभावित होने की स्थिति को देखते हुए बिजली आपूर्ति की समस्या के समाधान को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्यकर एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि बिजली की कमी के कारण किसानों के सिंचाई कार्य प्रभावित न हों।बैठक में मंत्री श्री किशोर ने सबसे पहले पलामू जिले की कुल बिजली आवश्यकता एवं वर्तमान आपूर्ति की जानकारी ली। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले को करीब 270 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में 183 मेगावाट बिजली मिल रही है। इस प्रकार जिले में करीब 87 मेगावाट बिजली की कमी है।मंत्री ने कहा कि पलामू प्रमंडल में कम बारिश, सूखे एवं गर्मी के कारण कृषि कार्य पहले से ही प्रभावित हैं। ऐसे समय में किसानों के लिए पर्याप्त एवं नियमित बिजली आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों एवं अभियंताओं को निर्देश दिया कि कृषि कार्य को प्राथमिकता में रखते हुए बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए तथा लो वोल्टेज एवं जर्जर विद्युत तारों से संबंधित

समस्याओं को भी दुरुस्त किया जाए।बैठक में बढ़े हुए कृषि भार को देखते हुए ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया गया। मंत्री ने नियमानुसार 25 केवीए के ट्रांसफार्मर को 63 केवीए तथा 63 केवीए के ट्रांसफार्मर को 100 केवीए में अपग्रेड करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उनके स्तर से तत्काल 63 केवीए एवं 100 केवीए क्षमता के नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी।विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन करीब 20 से 25 ट्रांसफार्मर जल रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही है। अधिकारियों ने बैठक में 200-200 की संख्या में 63 केवीए एवं 100 केवीए के ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग रखी। मंत्री ने इस दिशा में आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।मंत्री ने छत्तरपुर एवं नौडीहा बाजार में निमार्णाधीन विद्युत ग्रिड की प्रगति की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि छत्तरपुर ग्रिड निर्माण से संबंधित कुछ कार्य वन विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण लंबित हैं। इसके अलावा संवेदक द्वारा भी कार्य विलंब से शुरू किया गया है। मंत्री ने संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित कार्यों को गति देने का निर्देश दिया।बैठक में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, कृषि कार्य के लिए निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने, नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने तथा लो वोल्टेज एवं जर्जर विद्युत तारों की समस्या दूर करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार,झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मेदिनीनगर के महाप्रबंधक,अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल डालटनगंज एवं छत्तरपुर के कार्यपालक अभियंता समेत पाटन, छत्तरपुर एवं नौडीहा बाजार के प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे।

डीसी और एसएसपी की निगरानी में हुआ स्वतंत्रता दिवस के राजकीय समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल

रांची (एजेंसी) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा ध्वाजारोहण किया जायेगा। राजकीय समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न हुआ।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की अगुवाई में आयोजित रिहर्सल में स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली सभी औपचारिक गतिविधियों का सटीक अनुकरण किया गया। रिहर्सल के दौरान भारत सरकार के राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रगान से संबंधित निर्देश का अनुपालन किया गया।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने परेड की सलामी ली। वरीय पदाधिकारियों द्वारा सभी पार्टियों को परेड से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

समारोह की सुरक्षा एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने हेतु प्रतिनियुक्त सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग भी की गई। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात राकेश सिंह एवं अपर जिला दंडाधिकारी (विधि - व्यवस्था) धनंजय ने संयुक्तादेश के मुख्य बिंदुओं को विस्तार से समझाते हुए सभी पदाधिकारियों को समय पर अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर सौंपे गए कार्य एवं दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया।उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सभी अधिकारी अपने कार्य, दायित्व और प्रतिनियुक्ति स्थल की पूरी जानकारी रखें एवं मुख्य अतिथियों के आगमन और निर्गमन की व्यवस्था समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करें।वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिया कि समारोह में आने वाले सभी आगंतुकों की सघन जांच करें एवं कोई भी अवांछित व्यक्ति किसी आपत्तिजनक सामग्री के साथ समारोह स्थल में प्रवेश न करें इसका विशेष ध्यान रखें। ज्वायंट ब्रीफ्रिंग में सभी प्रतिनियुक्त सभी दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को बताया गया कि सुरक्षा दृष्टिकोण से कार्यक्रम स्थल पर ड्रोन वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी पर रोक रहेगी। सिर्फ विभाग द्वारा ड्रोन वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी कराया जा सकेगा।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर फर्स्ट इन कमाण्ड के रुप में 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी राघवेन्द्र शर्मा हैं। जो वर्तमान में रामगढ़ जिला में पदस्थापित हैं। सेकेण्ड इन कमाण्ड के रुप में परिचारी प्रवर द्वितीय अनिश मोमित कुजूर हैं।

रांची में मनाया गया क्यूबा एकजुटता दिवस, अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों की कड़ी निंदा

रांची (एजेंसी) : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) द्वारा गुरुवार को रांची में क्यूबा एकजुटता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर क्यूबा की जनता के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए समाजवादी देश क्यूबा पर संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दशकों से लगाए जा रहे आर्थिक प्रतिबंधों की कड़ी निंदा की गई।सभा को संबोधित करते हुए माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि अमेरिकी साम्राज्यवादी शक्तियां क्यूबा की समाजवादी व्यवस्था से लगातार भयभीत रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1959 की क्यूबा क्रांति, फिदेल कास्त्रो और चे ग्वेरा के नेतृत्व में, अमेरिका के पड़ोस में समाजवादी सरकार की स्थापना का ऐतिहासिक उदाहरण बनी और उसने साम्राज्यवाद को मजबूत चुनौती दी। इस क्रांति ने पूरे लैटिन अमेरिका में क्रांतिकारी आंदोलनों को भी प्रेरित किया।सीटू के जिला सचिव प्रतीक मिश्रा ने कहा कि अमेरिका द्वारा क्यूबा की समाजवादी व्यवस्था को कमजोर करने के लगातार प्रयासों के बावजूद क्यूबा ने अपनी समाजवादी व्यवस्था को कायम रखा है।

सीटू के राज्य महासचिव विश्वजीत देव ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों का क्यूबा की अर्थव्यवस्था और आम जनता के जीवन पर गंभीर असर पड़ा है। खाद्यान्न और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि क्यूबा वर्तमान में गंभीर बिजली संकट का भी सामना कर रहा है, जिससे वहां की जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।माकपा राज्य सचिवमंडल सदस्य समीर दास ने आरोप लगाया कि अमेरिका क्यूबा में प्रति-क्रांति के जरिए अपनी पसंद की सरकार स्थापित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि तमाम आर्थिक कठिनाइयों और बाहरी दबावों के बावजूद क्यूबा की कम्युनिस्ट पार्टी और वहां की जनता समाजवाद की रक्षा के लिए दृढ़ता से खड़ी है।

कार्यक्रम को अमन कुमार, फराज अब्बास और सोनाली ने भी संबोधित किया। प्रफुल्ल लिंडा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वक्ताओं ने कहा कि देशभर में क्यूबा एकजुटता दिवस का आयोजन क्यूबा की जनता के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को समाप्त करने और क्यूबा की संप्रभुता एवं समाजवादी व्यवस्था के खिलाफ हस्तक्षेप बंद करने की मांग की।उल्लेखनीय है कि 13 अगस्त 2026 से महान क्यूबाई क्रांतिकारी नेता फिदेल कास्त्रो के जन्मशती वर्ष की शुरूआत भी हो रही है। इस अवसर पर वक्ताओं ने क्यूबा की क्रांति, उसके समाजवादी संघर्ष और साम्राज्यवाद-विरोधी भूमिका को याद करते हुए क्यूबा की जनता के साथ एकजुटता व्यक्त की।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

म्यांमार में आयोजित मिसेज कोस्मो प्रतियोगिता में धनबाद की अमृता केसरी ने लहराया परचम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के मुख्य प्रबंधक विद्युत एवं यांत्रिक अरुण कुमार केसरी की पुत्री अमृता केसरी ने म्यांमार में 6 अगस्त से 10 अगस्त के बीच आयोजित मिसेज कोस्मो प्रतियोगिता में कॉस्मो क्वीन का खिताब जीतकर धनबाद का मान बढ़ाया है।अमृता केसरी रांची के मजेस्टिक इंडिया कंपनी के प्लेटफार्म के बैनर तले यह उपलब्धि हासिल की है। प्रतियोगिता में 30 देशों के प्रतिभागी भाग लिए थे।

बीसीसीएल के नये निदेशक (एचआर) होंगे राजर्षि धर, 10 उम्मीदवारों का हुआ साक्षात्कार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) पद के लिए पब्लिक एंटरप्राइजेज सेलेक्शन बोर्ड (पीईएसबी) ने राजर्षि धर के नाम की सिफारिश की है। गुरुवार को नई दिल्ली में हुई पीईएसबी की चयन बैठक में इस पद के लिए 10 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया गया।इनमें कोल इंडिया और उसकी विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के वरिष्ठ मानव संसाधन अधिकारी शामिल थे।पीईएसबी की बैठक में राजर्षि धर का चयन किया गया. वर्तमान में वह कोल इंडिया लिमिटेड में महाप्रबंधक (एचआर) एवं एचओडी (पीआरबी) के पद पर कार्यरत हैं।चयन के बाद अब उनके नाम को निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ाया जायेगा। अंतिम नियुक्ति संबंधित सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद होगी।बीसीसीएल में वर्तमान निदेशक (एचआर) मुरली कृष्ण रमैय्या हैं। वह 31 अगस्त 2026 को कंपनी की सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं. ऐसे में उनके स्थान पर नये निदेशक (एचआर) की नियुक्ति जरूरी थी। पीईएसबी की सिफारिश के बाद राजर्षि धर को बीसीसीएल के नये निदेशक (एचआर) के रूप में जिम्मेदारी मिलने का रास्ता साफ हुआ है।पीईएसबी के समक्ष साक्षात्कार देने वालों में रथिन मित्रा, राजेश वी. नायर, सुवंकर परिडा, अजय बेहरा, राजर्षि धर, सुकदेव सेठ, सुमन रस्तोगी, समीर बरला, अनुपम बोराह और राजेंद्र कुमार अग्रवाल शामिल थे।इनमें अधिकांश अधिकारी कोल इंडिया तथा उसकी सहायक कंपनियों में मानव संसाधन विभाग में वरिष्ठ पदों पर कार्यरत हैं।बीसीसीएल के निदेशक (एचआर) के रूप में राजर्षि धर के सामने कंपनी में मानव संसाधन प्रबंधन, औद्योगिक संबंध, कर्मचारियों के कल्याण और पुनर्वास से जुड़े मामलों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

धनबाद रेल मंडल की ओर से श्रद्धालु की सुविधा के लिए अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःश्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए धनबाद, चंद्रपुरा एवं कतरासगढ़ स्टेशनों पर विशेष सेवा एवं सहायता अभियान चलाया गया। धनबाद रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों, स्वयंसेवी संस्था एवं अन्य समाजसेवी प्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से कांवरियों को उनके गंतव्य के अनुसार प्लेटफॉर्म एवं ट्रेनों की जानकारी, टिकट संबंधी मार्गदर्शन, स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की जानकारी तथा आवश्यकता अनुसार अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया. साथ ही श्रद्धालुओं को कतारबद्ध एवं अनुशासित ढंग से यात्रा करने, स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने तथा रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करने के प्रति भी जागरूक किया गया. टिकट प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली मशीनों के साथ अतिरिक्त टिकट काउंटर की भी व्यवस्था की गई है धनबाद मंडल श्रावणी मेला में आने वाले श्रद्धालु कांवरियों को सुरक्षित, सहज एवं बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है ।

आज शाम टाउन हॉल में सजेगी सुरों की महफिल

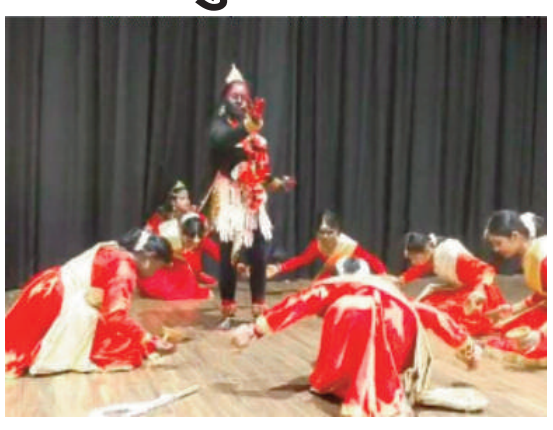

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः 80वें स्वतंत्रता दिवस की खुमारी में कोयलांचल धनबाद पूरी तरह से डूब चुका है! देशभक्ति के जज्बे, गूंजते नारों और तिरंगे के रंगों से शहर का कोना- कोना सराबोर होने को तैयार है। जिला प्रशासन ने इस राष्ट्रीय पर्व को यादगार बनाने के लिए अपनी सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य समारोह से ठीक एक दिन पहले, यानी 14 अगस्त की संध्या को न्यू टाउन हॉल में एक शाम देश के नाम समर्पित होगी। यहां रंगारंग और दिल छू लेने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस शाम को खास बनाने के लिए विभिन्न स्कूलों के बच्चों और स्थानीय कलाकारों ने दिन-रात एक करके रिहर्सल पूरी की है। मंच पर देशभक्ति से ओत-प्रोत नाटक, लोकनृत्य और सुरीले गीतों की तान छेड़ी जाएगी।

डीसी व एसएसपी ने किया स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः स्वतंत्रता दिवस समारोह का गुरुवार को फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित समारोह में डीसी आदित्य रंजन तथा एसएसपी प्रभात कुमार भी मौजूद थे। दोनों अधिकारियों ने रणधीर वर्मा स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, झारखंड सशस्त्र पुलिस बल - 3, जिला सशस्त्र बल पुरुष, जिला सशस्त्र बल महिला, होमगार्ड, ग्रामीण पुलिस, एनसीसी बॉयज, एनसीसी गर्ल्स, भारतीय स्काउड एवं गाईड के प्लाटून का निरीक्षण किया। इसके बाद राष्ट्रीय गीत ₹वंदे मातरम्₹ का गायन हुआ। तत्पश्चात उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद स्कूली बच्चों ने राष्ट्रगान गाया। वहीं निरीक्षण के दौरान डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और सटीक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, मंच सज्जा और अतिथियों के स्वागत से संबंधित सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की होनी चाहिए। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल एवं यातायात कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समारोह के दिन किसी भी प्रकार की भीड़-भाड़ या अव्यवस्था न हो तथा सभी आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:00 बजे उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके बाद धनबाद समाहरणालय में 10:00 बजे पूर्वाह्न, मिश्रित भवन में 10:20 बजे पूर्वाह्न, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में 10:30 बजे पूर्वाह्न, गांधी सेवा सदन 10:40 बजे पूर्वाह्न, रेड क्रॉस सोसाइटी में 10:50 बजे पूर्वाह्न तथा पुलिस लाइन धनबाद में 11:00 बजे पूर्वाह्न में झंडोत्तोलन किया जाएगा। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान किड्स गार्डन स्कूल झरिया की छात्राओं ने बैंड, सरस्वती शिशु मंदिर कतरास की छात्राओं ने राष्ट्रगान तथा पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय झरिया की छात्राओं ने बैंड डिस्प्ले किया। मौके पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी शअभिषेक झा, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह, मुख्य परेड कमांडर सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार, द्वितीय परेड कमांडर सार्जेंट लक्ष्मण प्रसाद मेहता, बिगुलर विकास कुमार प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन का मिलन समारोह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की ओर से बीसीसीएल गेस्ट हाउस में गुरुवार को स्वागत सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में महुदा कोल वाशरी, पश्चिमी झरिया क्षेत्र महुदा ग्रुप ऑफिस, डब्ल्यूडब्ल्यूजेड ऑफिस, मुनीडीह वाशरी तथा एचवी सेक्शन भुरुंगिया के कर्मी शामिल हुए। मुख्य अतिथि यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष सह बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो का कर्मियों ने शाल ओढ़ाकर एवं बुके देकर स्वागत किया। विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि यूनियन श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहती है। पहले कार्य के दौरान किसी श्रमिक की मृत्यु होने पर उसके आश्रित को नियोजन दिलाने के लिए परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्हें लाखों रुपये खर्च करने के साथ साथ वर्षों तक कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता था। लेकिन सांसद ढुल्लू महतो और उनके एटक में आने के बाद घटना के दिन ही मृत श्रमिक के आश्रित को प्रोविजनल नियोजन दिलाने का काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हित में लगातार किए जा रहे कार्यों के कारण एटक के प्रति मजदूरों की आस्था लगातार बढ़ रही है। समारोह का संचालन राजेश हरि ने किया। मौके पर धनेश्वर महतो, हिमांशु शेखर रवानी, किशुन महतो, मुखिया सावित्री देवी, बंधु हाड़ी, गुलाम रसूल अंसारी, पंडित कुमार रवानी, अलाउद्दीन अंसारी, मंगरू हाड़ी, राजन दास, मंटू बाउरी, दिलशाद खान, कमलेश यादव, बदरू अंसारी, हैदर अंसारी, सुशील चटर्जी, घनश्याम महतो सहित बड़ी संख्या में यूनियन पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

छाताबाद के अवैध कोयले के मुहानों की हुई डोजरिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः गोविंदपुर एरिया 3 के छाताबाद भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र में छठे दिन गुरुवार को बीसीसीएल प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर छाताबाद और आसपास के क्षेत्र में के कोयले के अवैध मुहाने को डोजरिंग की। बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा डोजरिंग की गई। कार्रवाई के दौरान अपर महाप्रबंधक डीके सिंह, मैनेजर अमित कुमार के अलावा विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए कतरास पुलिस, सीआईएसएफ के जवान बड़े पैमाने पर तैनात किए गए थे। अपर महाप्रबंधक डीके सिंह ने बताया कि कोयले के अवैध मुहानों का निरीक्षण किया जा रहा है कि कोयला चोरों ने कहां तक कटाई की है। उसके बाद जमीन भराई का काम किया जाएगा. जिससे छाताबाद मे भू- धंसान की घटना की पुनरावृत्ति ना हो। अपर महाप्रबंधक ने बताया कि भू- धंसान की घटना के बाद बीसीसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम लगातार रेस्क्यू कर जमींदोज सामानों को निकाला रही है। बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा राहत कैंप के माध्यम से भोजन की व्यवस्था कराई गई है।

बरवाअड्डा से 335 पेटी नकली शराब बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बरवाअड्डा से 335 पेटी नकली शराब बरामद की गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर बरवाअड्डा पुलिस ने बुधवार देर शाम मरिचो पंचायत के कांडा लागा गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस के अनुसार, शराब कारोबारी ने अपने घर के पीछे बने बकरी शेड में शराब छिपाकर रखी थी। बरामद शराब को बिहार भेजने की तैयारी थी। डीएसपी कुमार बिनोद ने गुरुवार को बरवाअड्डा थाना में प्रेस वार्ता कर बताया कि कांडा लागा निवासी सुनील रजक के घर के पीछे बने बकरी शेड से सुपर जुबली गोल्ड रिजर्व व्हिस्की की नकली शराब बरामद की गई है। पुलिस ने कुल 335 पेटियों में 16,080 बोतल शराब जब्त की है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी सुनील रजक फरार हो गया। पुलिस बरामद शराब की जांच कर रही है। साथ ही मामले में शामिल अन्य अवैध शराब कारोबारियों की पहचान और गिरµतारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा, गूंजे भारत माता की जय के नारे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में भाजपा की ओर से गुरुवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपाई जिला परिषद मैदान में जुटे। जिला परिषद मैदान से ही यात्रा शुरू हुई। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सिटी सेंटर पहुंची। हाथों में तिरंगा लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महानगर जिला अध्यक्ष सरवन राय के नेतृत्व में निकाला गया। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेता, नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर कार्यकताओं ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ शहर के विभिन्न मार्गों से यात्रा निकाली। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से धनबाद की सड़कें गूंजती रहीं। रास्ते में स्थानीय लोगों ने भी यात्रा का स्वागत किया और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष सरवन राय ने बताया कि पार्टी की ओर से पांच वर्षों से लगातार तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद करना और नई पीढ़ी को उनके बलिदान से परिचित कराना है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव कुमार ने कहा को तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सम्मान और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

ब्लॉक-दो क्षेत्रीय कार्यालय से निकाली गई तिरंगा यात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः'हर घर तिरंगा' अभियान में गुरुवार को बीसीसीएल ब्लॉक-दो क्षेत्र में महाप्रबंधक कुमार रंजीव की अध्यक्षता में क्षेत्रीय कार्यालय से तिरंगा के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियन प्रतिनिधियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इस यात्रा में भाग लिया। पूरी यात्रा के दौरान क्षेत्र का माहौल देशभक्ति के जयघोष से गुंजायमान रहा। यह तिरंगा यात्रा क्षेत्रीय कार्यालय से शुरू होकर डुमरा मोड़ और पोस्ट ऑफिस चौक होते हुए वापस ब्लॉक-दो क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची, जहां महाप्रबंधक के संबोधन एवं उद्घोष के साथ इसका समापन हुआ। मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन, अमित यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशासन हेमंत कुमार हेना, क्षेत्रीय चिकित्सा पदाधिकारी अनामिका कुमारी,क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी, नवीन कुमार, प्रबंधक वित्त विक्रम गुप्ता, सहायक प्रबंधक वित्त सुभाष चन्द्र गुर्जर, सहायक असैनिक अभियंता गोपाल दास,सहायक प्रबंधक पर्यावरण पुरुषोत्तम कुमार, सहायक प्रबंधक मानव संसाधन स्नेहा तथा इनके अलावा तुलसी साव, गोपाल चंद्र गोप, रविन्द्र कुमार, इंदल कुमार, लगनदेव यादव, संतोष दास, मुरारी पांडेय, अरशद हुसैन, रतन बेलदार सहित विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय कल्याण समिति, क्षेत्रीय सलाहकार समिति, क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य एवं सीआइएसएफ के जवान मौजूद रहे ।

कांग्रेसियों ने बाबूलाल मरांडी का किया पुतला दहन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादकतरास थाना चौक पर गुरुवार को कतरास के कांग्रेसियों ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का पुतला दहन किया। इसके पूर्व यूथ कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने दिल्ली के जंतर - मंतर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों की बर्बरता पूर्वक पिटाई की निंदा की। बाबूलाल मरांडी की चर्चा करते हुए कहा कि जब इंडिया गठबंधन में थे तब कुछ और बोल रहे थे अब एनडीए सरकार में कुछ और बोलते हैं। दोहरा चरित्र के व्यक्ति हैं। झारखंड में छात्रों के आंदोलन पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा छात्रों के आंदोलन पर राजनीति रोटी सेकना चाहती है। राहुल गांधी ने रांची में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के लाठी चार्ज की निंदा की है। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ खड़ा है। मौके पर प्रदेश सचिव आकाश प्रमाणिक, बाघमारा विधानसभा अध्यक्ष शय्यूम खान, जिला उपाध्यक्ष सह बाघमारा विधानसभा प्रभारी तबरेज खान, जिला उपाध्यक्ष। विशाल महतो, नगर अध्यक्ष योगेंद्र महतो, माधव सिंह, राजाराम, रॉबिन पाल,जफर इकबाल, जिला उपाध्यक्ष सह बाघमारा विधानसभा प्रभारी अवध नारायण प्रसाद, प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो, नगर अध्यक्ष रंजीत पांडेय, सावन सुमन, कौशल सिंह, समीर, तस्लीम, आमिर, राजा अंसारी, असलम, योगेश, उपेंद्र एवं कौशल उपस्थित आदि उपस्थित थे।

बच्चेदानी के इलाज के स्थान पर बंध्याकरण कर देने का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः भूली डी ब्लॉक निवासी 45 वर्षीय महिला जितनी देवी बच्चेदानी की बीमारी का ऑपरेशन कराने केंदुआडीह स्थित शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थी, लेकिन आरोप है कि पोषण सखी की अधूरी जानकारी के कारण वहां उसका बंध्याकरण कर दिया गया। घटना के बाद महिला घंटों रोती रही। परिजनों ने इसे चिकित्सकीय लापरवाही बताते हुए जांच की मांग की है। महिला के पति जलधर सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी की बच्चेदानी बाहर निकलने की समस्या थी। सहिया की सलाह पर जुलाई से सदर अस्पताल धनबाद में उसका इलाज चल रहा था। डॉक्टर की सलाह पर खून, पेशाब व हेपेटाइटिस समेत कई जांच भी कराई गई थीं। इसी दौरान पोषण सखी खुशबू ने केंदुआडीह में शिविर लगने और जल्द ऑपरेशन होने की बात कहकर महिला को केन्दुआडीह शहरी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां उसने महिला महिला चिकित्सक डॉ. हुमा फातमा से कहा कि इस महिला का बंध्याकरण करवाना है । डॉक्टर ने उस महिला का बंध्याकरण का ऑपरेशन कर दिया।इस संबंध में डॉ. होमा फातमा ने बताया कि पोषण सखी ने पहले उक्त महिला को ओपीडी में बैठे एक डॉक्टर से दिखाया और उनसे कहा कि उसका बंध्याकरण करवाना है तब डॉक्टर ने प्रिस्क्रिप्शन बना दी।पोषण सखी महिला की जांच रिपोर्ट एवं पर्ची दिखाकर बंध्याकरण कराने की बात कही थी। उसने सदर अस्पताल में बच्चेदानी के इलाज की जानकारी नहीं दी।यहां तक कि मरीज महिला ने भी इस संवाद में कुछ नहीं बताया। यदि यह जानकारी दी जाती तो बंध्याकरण नहीं किया जाता। परिजनों का कहना है कि बंध्याकरण के लिए मिलने वाले प्रोत्साहन राशि के कारण पोषण सखी ने महिला को गुमराह किया। अब महिला ऑपरेशन के बाद स्वस्थ होने का इंतजार कर रही है, ताकि बच्चेदानी का इलाज कराया जा सके।

14-08-2026 T.P. Page 4_Layout 1 14-08-2026 07:10 Page 1

संक्षिप्त खबरें

रेलवे स्टेशन पर पांच सांपों के साथ दो लोग हिरासत में

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रांची पोस्ट की टीम ने रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर जांच के दौरान पांच सांपों के साथ दो लोगों को हिरासत में ले लिया। दोनों के पास से दो लाल रेत बोआ (दोमुंहा सांप) और तीन चश्माधारी नाग बरामद किये गये। नियमित जांच के दौरान आरपीएफ जवानों ने दो संदिग्ध लोगों को रोककर तलाशी ली।पूछताछ में उनकी पहचान आनंद नाथ और अर्जू के रूप में हुई।दोनों के पास मौजूद बांस की टोकरियों की जांच करने पर उसमें पांच सांप मिले।पूछताछ में दोनों ने बताया कि सांपों को जंगल से पकड़कर सार्वजनिक प्रदर्शन के जरिये पैसे कमाने के उद्देश्य से ले जा रहे थे।आरपीएफ ने दोनों आरोपियों और बरामद सांपों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन विभाग के पदाधिकारी को सौंप दिया।कार्रवाई में आरपीएफ निरीक्षक शिशुपाल कुमार, कमल दास, शक्ति सिंह, सुचंद अहीर और आरएल मुंडा शामिल थे।

मिजाचौंकी-मंडरो मुख्य सड़क पर टोटो और बाइक में भीषण टक्कर, कई घायल

साहिबगंज (एजेंसी) : मिजाचौकी-मंडरो मुख्य सड़क के बेलवा के समीप गुरुवार को टोटो और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गयी।हादसे में टोटो और बाइक सवार समेत कई लोग घायल हो गये।मिली जानकारी के अनुसार, टोटो मिजाचौकी की ओर से मंडरो की तरफ जा रहा था, जबकि मोटरसाइकिल सवार मंडरो से मिजाचौकी की ओर आ रहे थे। इसी दौरान बेलवा के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों को काफी क्षति पहुंची और मौके पर अफरा-तफरी मच गयी।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए किसी निजी अस्पताल ले जाया गया।जहां समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी और घायल व्यक्ति के बारे में लोग पता लगा रहें थे।जबकि हादसे में घायल लोगों की स्थिति काफी नाजुक बतायी गयी।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, दो की मौत

पश्चिमी सिंहभूम (एजेंसी) : एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच-33 पर पिपला पुल के पास गुरुवार तड़के करीब चार बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।हादसा इतना भीषण था कि कार सवार युवती समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतकों में बड़ाजामदा निवासी डिम्पी चातोंम्बा (22) की पहचान हुई है। वहीं, दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।हादसे में गोलमुरी नामदा बस्ती निवासी गुरुदेव सिंह उर्फ राहुल और जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के जटेंया निवासी सुनीता तुबिद घायल हुए हैं।बताया जा रहा है कि कार तेज रफ्तार में थी. पिपला पुल के समीप चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलने पर एमजीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा।वहीं, दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई।पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।सूचना मिलते ही युवती के माता-पिता जमशेदपुर के लिए निकल गए हैं। वही युवती की मौत से बड़ाजामदा में शोक का माहौल है।

प्रेम विवाह से नाराज पिता ने जीवित बेटी का किया श्राद्ध और पिंडदान

हजारीबाग (एजेंसी) : जिस बेटी को उंगली पकड़कर चलना सिखाया,सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।आज उसी के जीते जी उसका पिंडदान करना पड़ रहा है।मामला पाण्डेयबारा/आरापगार के श्मशान घाट पर मुंडन कराए खड़े एक बेबस पिता का हैं।जिनकी आँखें गुस्से और दर्द के मिले-जुले आंसुओं से नम थीं।प्रेम विवाह से आहत एक पिता ने अपनी 18 वर्षीया जीवित बेटी का बाकायदा हिंदू रीति-रिवाज से गुरुवार को श्राद्धकर्म और पिंडदान कर दिया।पिता के साथ भाई और चाचा ने भी अपना सिर मुंडवाकर समाज के सामने यह संदेश दिया कि अब उनके लिए उनकी बेटी इस दुनिया में नहीं रही।खेमन चंद्रवंशी की पुत्री अचानक घर से लापता हो गई थी।बाद में पता चला कि वह पास के ही गांव नरैना निवासी पवन साव पिता स्व.अशोक साव के साथ फरार हो गई है।बेटी के अचानक गायब होने के बाद परिजनों ने चौपारण थाने में लिखित आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई थी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सीआइएसएफ ने निकाली बाइक रैली

रांची (एजेंसी) : हर घर तिरंगा अभियान के तहत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सीआइएसएफ इकाई एचइसी की ओर से विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस दौरान सनराइज स्कूल, हटिया में ह्यवंदे मातरम् के 150 वर्ष का उत्सवह्ल विषय पर संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की श-रूआत सामूहिक रूप से ह्यवंदे मातरम्ह्ल के गायन से हुई. इसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। अभियान के तहत सीआइएसएफ ने देशभक्ति बाइक रैली भी निकाली।रैली यूनिट लाइन कैंप से शुरू होकर धुर्वा और हटिया होते हुए वापस यूनिट परिसर पहुंची। रैली के माध्यम से आमलोगों के बीच देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र गौरव का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उप कमांडेंट सुरेश चौधरी ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को मजबूत करने के साथ ह्यहर घर तिरंगाह्ल अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

12 चक्का ट्रेलर की टक्कर से वृद्ध की मौत, मुआवजे की मांग पर ढाई घंटे सड़क जाम

सरायकेला (एजेंसी) : हाटगम्हरिया-जैतगढ़ मुख्य मार्ग पर कुईड़ा गांव के समीप गुरुवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 56 वर्षीय वृद्ध सोनाराम बिरुआ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब सोनाराम अपनी भैंस को चराकर उसके साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान जैतगढ़ की ओर से आ रहे 12 चक्का ट्रेलर संख्या ओडी 09 एएफ 9817 के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे चल रहे सोनाराम को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में सोनाराम ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी भैंस भी गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी कमर टूट गई।घटना गुरुवार दोपहर करीब 3:15 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि सोनाराम को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे की खबर फैलते ही कुईड़ा एवं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की, जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हाटगम्हरिया पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से चालक को बचाकर इलाज के लिए कुमारडुंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए चाईबासा रेफर कर दिया गया।हादसे में हुई मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर हाटगम्हरिया-जैतगढ़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा घायल मवेशी के नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे थे। सड़क जाम होने के कारण मुख्य मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब ढाई घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा।जाम की सूचना मिलने पर हाटगम्हरिया के साथ जगन्नाथपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। काफी समझाने-बुझाने के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया और पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया।ग्रामीणों और पुलिस-प्रशासन के बीच बातचीत के बाद मृतक के परिवार को तत्काल क्रियाकर्म के लिए 20 हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। वहीं घायल भैंस के नुकसान के लिए 50 हजार रुपये मुआवजा देने की बात पर सहमति बनी। पुलिस ने परिजनों को आश्वस्त किया कि पोस्टमार्टम और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकारी प्रावधानों के अनुसार मिलने वाली शेष मुआवजा राशि के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।मृतक सोनाराम बिरुआ हाटगम्हरिया थाना क्षेत्र के कुईड़ा गांव के नीचे टोला के रहने वाले थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सोनाराम अपने पीछे पत्नी, दो बेटे मनोज बिरुआ एवं अनिल बिरुआ तथा एक बेटी मरियम बिरुआ को छोड़ गए हैं। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सभी आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर हाटगम्हरिया थाना ले गई। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रेलर को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।हादसे के बाद ग्रामीणों में मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर भी आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों ने मांग की कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण रखा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रस्तावित एमएमडीआर संशोधन विधेयक झारखंड के लिये आर्थिक चोट : दीपिका पांडेय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने खनिज वहन भूमि उपकर (जेएमबीएल सेस) और प्रस्तावित एमएमडीआर संशोधन विधेयक 2026 का विरोध करते हुये इसे झारखंड के वित्तीय अधिकारों पर चोट बताया है।उन्होंने कहा कि संशोधन लागू होने से खनिज संपदा वाले राज्यों की राजस्व जुटाने की क्षमता प्रभावित होगी। झारखंड सरकार और कांग्रेस केंद्र के इस कदम का हर स्तर पर विरोध करेगी।मंत्री ने कहा कि जेएमबीएल सेस कोई नयी रॉयल्टी या खनिज उत्पादन पर अतिरिक्त रॉयल्टी नहीं है।यह उस भूमि पर लगाया जाने वाला उपकर है, जिसके भीतर खनिज मौजूद हैं और जहां खनन हो रहा है।उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे खनिज संपदा से समृद्ध राज्य के राजस्व पर केंद्र की लगाम स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने मिनरल एरिया डेवलपमेंट ऑथोरिटी बनाम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड मामले में फैसला दिया था।इसके बाद झारखंड विधानसभा ने झारखंड मिनरल बेयरिंग लैंड सेस अधिनियम, 2024 पारित किया।मंत्री ने कहा कि खनन से झारखंड को विस्थापन, पर्यावरणीय क्षति, जल-वायु प्रदूषण और सामाजिक-सांस्कृतिक बदलाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।इसी को ध्यान में रखकर जेएमबीएल सेस से मिलने वाली राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों और जनकल्याणकारी योजनाओं में किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 2024-25 में 1,379 करोड़, 2025-26 में 7,488 करोड़ और 2026-27 में अनुमानित 13,215 करोड़ जेएमबीएल सेस से प्राप्त होने हैं।इस राशि से स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, पेयजल, स्वच्छता, कृषि, आजीविका और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य किये जा रहे हैं।मंत्री ने कहा कि जेएमबीएल सेस झारखंड के लिए केवल राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास का महत्वपूर्ण वित्तीय आधार है।केंद्र सरकार को झारखंड के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित संशोधन पर पुनर्विचार करना चाहिये।

भट्टी ब्लास्ट में गंभीर रूप से घायल मजदूर की हुई मौत, मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ धरने पर बैठे परिजन व ग्रामीण

रामगढ़ (एजेंसी) : कुजू-मुरपा स्थित श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट में गत 9 अगस्त को फर्निस भट्टी ब्लास्ट दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मजदूर कुजू कोलियरी पश्चिम न्यू कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय रमेश ठ-ाकुर, पिता दरोगा ठाकुर, की इलाज के दौरान बुधवार की देर रात देवकमल अस्पताल, रांची में मौत हो गई। मजदूर की मौत की खबर मिलते ही कुजू कोलियरी व मुरपा क्षेत्र के ग्रामीणों तथा मृतक के परिजनों में आक्रोश फैल गया।घटना के विरोध में गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने फैक्ट्री के मुख्य द्वार को जाम कर अधिकारियों और कर्मियों के आवागमन पर रोक लगा दी।ग्रामीणों ने मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा और आवश्यक सहायता देने की मांग की।इसके बाद फैक्ट्री प्रबंधन ने ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की।पहली वार्ता में प्रबंधन ने मृतक के आश्रित को 18 लाख रुपये देने की पेशकश की, जबकि प्रतिनिधिमंडल ने 25 लाख रुपये मुआवजे की मांग की।सहमति नहीं बनने पर वार्ता विफल हो गई।इसके बाद दोपहर में मृतक के परिजन और ग्रामीण शव को फैक्ट्री के मुख्य द्वार के समीप रखकर धरने पर बैठ गए।वहीं कुजू पूर्वी मुखिया प्रतिनिधि अशोक कुमार की अगुवाई में शाम करीब 4 बजे प्रबंधन के साथ दोबारा वार्ता हुई। करीब 6 घंटे चली लंबी वार्ता के बाद बाद प्रबंधन ने मृतक के आश्रित को 22 लाख रुपये मुआवजा देने पर सहमति जताई। इसके अलावा फैक्ट्री के मजदूरों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक माह के अंत में फैक्ट्री का रखरखाव कार्य कराने पर भी सहमति बनी। इसके बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।मौके पर विधायक प्रतिनिधि तेजनाथ महतो, भाजपा मांडू मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, मांडू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष संजय प्रसाद, राजद जिलाध्यक्ष मो. गुलजार, रवि कुमार महतो, रतन प्रसाद, मुखिया राकेश मेहता रॉक, जयकुमार ओझा, शंभूलाल ठाकुर, रवि साहू, डिंपल प्रजापति, संजय शाह, अवधेश कुमार, कौलेश्वर साव, रिंकु कुमार सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

झारखंड में शिक्षा सुधार और ग्रामीण विकास को बढ़ावा दे रही एसयूडी लाइफ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड में शिक्षा और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए एसयूडी लाइफ की सीएसआर पहल के तहत कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट जीवनधारा के तहत गुमला के 112 सरकारी स्कूलों में गुमला जिला प्रशासन और एडटेक प्लेटफॉर्म फिलो के सहयोग से डिजिटल लर्निंग, एआई आधारित शैक्षणिक सहायता और वन-टू-वन लाइव ट्यूशन की सुविधा शुरू की गई। इसके बाद कक्षा 10 के जेएसी बोर्ड परिणामों में गुमला की रैंक 20वें से बढ़कर राज्य में पहले स्थान पर पहुंच गई, जबकि कक्षा 12 विज्ञान में जिला 21वें से दूसरे स्थान पर पहुंचा। विज्ञान का उत्तीर्ण प्रतिशत भी 2024 के 50.2 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 91 प्रतिशत हो गया। छात्रों ने इस दौरान 19,300 से अधिक ऑनलाइन लर्निंग सत्र पूरे किए। एसयूडी लाइफ के एमडी एवं सीईओ अभय तिवारी ने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों का परिणाम है और कंपनी इस मॉडल को अन्य आकांक्षी जिलों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं एसयूडी लाइफ फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी राकेश कुमार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव के लिए सरकार व स्थानीय समुदायों के साथ सझेदारी पर जोर दिया। इसके अलावा स्कूलों में स्मार्ट कक्षाओं, पेयजल, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और वर्षा जल संचयन जैसी सुविधाओं को मजबूत किया गया है। प्रोजेक्ट धरती के तहत डुमरी प्रखंड के छह गांवों में सिंचाई सुविधाओं के विकास से बहुफसली खेती और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी काम किया गया है। कंपनी के अनुसार इन पहलों से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। डिजिटल माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के साथ अतिरिक्त शैक्षणिक सहायता भी मिल रही है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। शिक्षा और आजीविका से जुड़ी इन पहलों को लंबे समय तक जारी रखने की दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने खान और खनिज संशोधन विधेयक पर पार्टी के तमाम सांसद, विधायक और पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक

खनिज विधेयक के विरोध में झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा

रांची (एजेंसी) : खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के खिलाफ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़ा आंदोलन करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा।खनिज झारखंड का, जमीन झारखंड की–तो हमारे हक-अधिकार का फैसला दिल्ली क्यों करेगी? सीएम ने गुरुवार को लगभग दो घंटे तक सीएम आवास से ही झामुमो के सभी सांसदों, विधायकों, पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारियों से लेकर जिला व प्रखंड अध्यक्ष के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। सीएम ने सभी को इस विधेयक के खिलाफ आंदोलन करने की तैयारी करने का निर्देश दिया है।सीएम ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि लोकसभा और राज्यसभा - दोनों सदनों में जल्दबाजी में खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 पास करा केंद्र सरकार ने झारखंड के हाथ-पैरों को काटने का काम किया है।यह काला बिल झारखंड और झारखंडियों के साथ अन्याय है, उनके विकास और भविष्य पर बहुत बड़ा कुठाराघात है।झारखंड यह सौतेला व्यवहार नहीं सहेगा।सीएम ने कहा कि झारखंड में करोड़ों लोगों के सामाजिक सुरक्षा जैसे मईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि योजनाएं बंद होने के कगार पर आ जायेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा इसका पुरजोर विरोध करता है।उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर केंद्र सरकार ने यह काला बिल वापस नहीं लिया तो झारखंड ऐसा बड़ा आंदोलन करेगा, जिसे पूरा देश देखेगा।सीएम ने कहा कि प्रत्येक जिला, प्रत्येक प्रखंड, प्रत्येक पंचायत, प्रत्येक शहर में इस-ाका कड़ा विरोध किया जायेगा।अगर केंद्र सरकार नहीं चेती, और झारखंड तथा झारखंडियों को उसका हक-अधिकार वापस नहीं किया गया तो झारखंड निर्णायक और ऐतिहासिक निर्णयों को लेने से पीछे भी नहीं हटेगा।सीएम आवास में आयोजित बैठक में पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय. केंद्रीय सचिव अभिषेक प्रसाद पिंटू समेत अन्य पदाधिकारी भी थे। वहीं वीडियो कांफ्रेंसिंग में कई मंत्री भी जुड़े हुए थे।बताया गया कि सीएम ने सभी जिला अध्यक्षों व प्रखंड अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे इस विधेयक के खिलाफ लोगों को जागरूक करें कि कैसे केंद्र सरकार यहां के खनिज संसाधनों पर अपना हक जता रही है।सेस बंद होने से मईयां सम्मान, सीएम आवास जैसी योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

छात्रों के विधानसभा मार्च के दौरान हुई उग्र झड़प को लेकर पुलिस ने सख्त कार्रवाई

600 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज

रांची (एजेंसी) : रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च के दौरान हुई उग्र झड़प को लेकर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने कुल 600 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी (स्नढ्ढक्र) दर्ज की है, जिनमें 100 नामजद और 500 अज्ञात छात्र व अन्य प्रदर्शनकारी शामिल हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दर्ज एफआईआर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे 100 प्रमुख प्रदर्शनकारियों को नामजद किया गया है। इसके अलावा 500 अज्ञात छात्रों व अन्य उपद्रवियों को आरोपी बनाया गया है।आपको बता दें कि 10 अगस्त को जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के विरोध में छात्रों ने विधानसभा घेराव का आह्वान किया था। इस दौरान जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोडकर आगे बढ़ने की कोशिश की, तो पुलिस के साथ भारी तीखी झड़प हुई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, वाटर कैनन और आंसू गैस के गोलों का प्रयोग करना पड़ा था। वहीं छात्र अपनी मांगों को लेकर अभी भी अड़े हुए हैं और छात्रों का आंदोलन रांची के जयपाल मुंडा स्टेडियम में जारी है। इस मुद्दे को लेकर सरकार और छात्र प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की लंबी वार्ता हो चुकी है, लेकिन जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा और नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई सहमति नहीं बन पाई है।

स्वास्थ्य विभाग का डेटा शोध स्वास्थ्य सुधारों के लिए महत्वपूर्ण : प्रो डॉ डीके सिंह

रांची (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड और झारखंड स्टैटस्टिकल सोसाइटी ने संयुक्त रूप से दो दिवसीय डेटा क्वालिटी वर्कशॉप का आयोजन नामकुम स्थित आरसीएच कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में किया गया था। झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलपति प्रो डॉ डीके सिंह ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण पर जोर देते हुए कहा कि एआई की मदद से शोध स्वास्थ्य सुधारों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जा सकेगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से डेटा उपलब्ध कराने का आग्रह किया जिससे कि एम टेक और डेटा एनालिसिस के विद्यार्थी उस पर गहन शोध कर सकें। एनएचएम निदेशक शशि प्रकाश झा ने डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने पर जोर दिया।कार्यशाला में राज्य के विभिन्न जिलों से आए डेटा मैनेजरों, सांख्यिकी अधिकारियों और झारखंड स्टैटस्टिकल सोसाइटी के सदस्यों ने भाग लिया।इस अवसर पर एनएचएम के डायरेक्टर फाइनेंस मो गुफरान, प्रशासी पदाधिकारी केके अग्रवाल, डेटा सेल के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ प्रदीप कुमार सिंह, आइइसी सेल के नोडल डॉ राहुल किशोर सिंह, जेएसएस से डॉ एसबी सिंह, प्रो रामेश्वर केरकेट्टा, प्रो सौभिक चक्रवर्ती, रांची यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ एके झा, सुबोध कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग और जेएसएस के कई प्रतिनिधि और अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे।

संक्षिप्त खबरें

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर परिवहन विभाग ने लोगो को किया जागरूक

गया जी(एजेंसी) : हर घर तिरंगा अभियान के तहत गया जिला परिवहन विभाग की ओर से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति जागरूक किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) राजेश कुमार ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव का प्रतीक है। हर नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रध्वज का सम्मान करते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करे।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल घरों पर तिरंगा फहराने तक सीमित नहीं है बल्कि यह अभियान नागरिकों में राष्ट्रभक्ति और ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों, यात्रियों, युवाओं और आम नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की जा रही है। डीटीओ राजेश कुमार ने कहा कि तिरंगे के तीनों रंग देशवासियों को महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। केसरिया साहस और त्याग, श्वेत सत्य एवं शांति तथा हरा रंग समृद्धि और विकास का प्रतीक है। मध्य में स्थित अशोक चक्र निरंतर कर्म, प्रगति और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और मयार्दा का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय जागरूकता को भी बढ़ावा देना है। हर घर तिरंगा अभियान में सामूहिक भागीदारी से राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होगी।

गया-मुंबई नई ट्रेन सहित कई प्रमुख मांगों को लेकर यात्री सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

गया जी (एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एवं तीर्थस्थल गया में बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए रेल सुविधाओं में विस्तार की मांग तेज हो गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गया के लिए लंबित रेल परियोजनाओं और नई ट्रेनों से जुड़े प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की गई है। गया में विष्णुपद और बोधगया कॉरिडोर बनने के बाद भविष्य में यात्रियों की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना जताई गई है।

दुरंतो ठहराव व गया-लखनऊ एकात्मा एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाने की मांग

ग्रैंडकॉर्ड पैसेंजर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में कहा कि गया से मुंबई के बीच नई दैनिक ट्रेन शुरू करने की मांग प्रमुखता से रखी गई है। वर्तमान में गया क्षेत्र से मुंबई के लिए सीधी दैनिक रेल सेवा सीमित होने के कारण यात्रियों को पटना, वाराणसी समेत अन्य स्टेशनों से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। गया-मुंबई नई ट्रेन का प्रस्ताव पूर्व मध्य रेल द्वारा रेलवे बोर्ड को भेजे जाने के बावजूद मामला लंबित बताया गया है।

इसके अलावा अहमदाबाद, सूरत, पुणे, सिकंदराबाद, बेंगलुरु और एनार्कुलम के लिए नई ट्रेनों की मांग की गई है। इन सेवाओं के लिए गया में अतिरिक्त वाशिंग पिट निर्माण पर भी जोर दिया गया है। बताया गया कि गया में वर्ष 2017 में दूसरी वाशिंग पिट बनने के बाद अब तक नई पिट का निर्माण नहीं हुआ है।12259/12260 दुरंतो एक्सप्रेस का गया में ठहराव देने की मांग भी की गई है। इसके लिए पूर्व मध्य रेल ने रेलवे बोर्ड को अनुशंसा भेजी है। वहीं 14259/ 14260/ 14261/14262 गया-लखनऊ एकात्मा एक्सप्रेस को सप्ताह के सातों दिन चलाने के लिए अतिरिक्त रैक उपलब्ध कराने की मांग की गई है। गया-किऊल रेल मार्ग पर भी नई ट्रेनों के परिचालन की आवश्यकता बताई गई है। इन कदमों से गया, बोधगया और पितृपक्ष मेले में आने वाले देश-विदेश के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिलने की उम्मीद है।

कटिहार रेल अस्पताल को मिली अत्याधुनिक'शॉकवेव थेरेपी यूनिट की सौगात

कटिहार, (एजेंसी) : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफ रेलवे) महिला

कल्याण संगठन की अध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव ने कटिहार रेल अस्पताल में अत्याधुनिक 'एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल शॉकवेव थेरेपी यूनिट' का विधिवत उद्घाटन किया। इस आधुनिक चिकित्सा यूनिट के मरीजों की सेवा में समर्पित होने से रेल कर्मचारियों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे रेलकर्मियों में काफी हर्ष व्याप्त है।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वी. दामोदर राज ने इस दौरान जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष उपकरण एनएफ रेलवे महिला कल्याण संगठन की दूरदृष्टि और सेवा भावना का परिचायक है। यह आधुनिक थेरेपी जोड़ों और मांसपेशियों के पुराने दर्द से पीड़ित मरीजों के लिए वरदान साबित होगी, जिससे उन्हें बिना किसी अतिरिक्त परेशानी के उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

इस अवसर पर कटिहार मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा निवेदिता नरह ने कहा कि एनएफ रेल महिला समिति की अध्यक्षा शालिनी श्रीवास्तव के प्रेरणादायी नेतृत्व में उठाया गया यह कदम रेल परिवारों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। वक्ताओं ने श्रीमती श्रीवास्तव की सक्रियता, दूरदर्शी सोच और रेलवे समुदाय के कल्याण के प्रति उनके असीमित समर्पण की खुलकर सराहना की।उल्लेखनीय है कि उनके कुशल नेतृत्व में संगठन ने न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इस उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यालय और मंडल की सभी महिला पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

छपरा पहुंचे ऊर्जा सचिव ने पीएम सूर्य घर योजना का किया समीक्षा

सारण, (एजेंसी) : बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय यादव ने सारण जिले के 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र छपरा तथा 33/11 विद्युत शक्ति उपकेंद्र तेलपा का आज निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं, सुरक्षा मानकों, एसओपी रजिस्टर तथा स्विचयार्ड में स्थापित पावर ट्रांसफार्मरों की गहन समीक्षा की।उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने का निर्देश दिया और परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इसके उपरांत छपरा सर्किट हाउस में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ऊर्जा सचिव ने विद्युत आपूर्ति अंचल छपरा के कार्यों की समीक्षा की।उन्होंने राजस्व संग्रहण, विकास परियोजनाओं तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए। बैठक में सारण के जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव सहित सिवान, गोपालगंज, महाराजगंज, मीरगंज तथा छपरा के विद्युत अधीक्षण एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे।

वोटर लिस्ट में पत्नी का नाम या भरण-पोषण का आदेश वैध हिंदू विवाह का प्रमाण नहीं- पटना हाईकोर्ट

पटना, (ईएमएस)। पटना हाईकोर्ट ने हिंदू विवाह की वैधता को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल वोटर लिस्ट में किसी महिला का किसी व्यक्ति की पत्नी के रूप में नाम दर्ज होना या भरण-पोषण का आदेश मिल जाना वैध हिंदू विवाह का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता। विवाह को वैध साबित करने के लिए यह प्रमाणित करना जरूरी है कि वह संबंधित समुदाय में प्रचलित हिंदू रीति-रिवाज और आवश्यक धार्मिक रस्मों के अनुसार संपन्न हुआ था। यह फैसला न्यायमूर्ति बिबेक चौधरी और न्यायमूर्ति राणा विक्रम सिंह की खंडपीठ ने दुरगावती देवी की ओर से दायर अपील पर सुनाया। पीठ ने सीवान फैमिली कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें दुरगावती देवी को सचिता चौधरी की कानूनी पत्नी मानने से इनकार किया गया था। हाईकोर्ट ने महिला की अपील खारिज कर दी।

मामले के अनुसार, दुरगावती देवी की शादी 22 मई 1990 को सुरेश चौधरी से हुई थी। वर्ष 1997 में सुरेश चौधरी की मृत्यु हो गई। इसके बाद

दुरगावती देवी ने दावा किया कि परिवार की सहमति और दबाव में उन्होंने अपने दिवंगत पति के छोटे भाई सचिता चौधरी से दूसरी शादी कर ली थी। उनका कहना था कि इसके बाद दोनों पति-पत्नी के रूप में साथ रहने लगे। बाद में दुरगावती देवी ने सचिता चौधरी से भरण-पोषण की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया। इस मामले में उन्हें प्रति माह एक हजार रुपये भरण-पोषण देने का आदेश भी हुआ था। हालांकि, सचिता चौधरी ने दूसरी शादी से इनकार किया। सीवान फैमिली कोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा के बाद 26 फरवरी 2020 को दुरगावती देवी को सचिता चौधरी की कानूनी पत्नी मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने फैमिली कोर्ट के फैसले को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी।

हाईकोर्ट ने मामले में पेश किए गए साक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा की। अदालत ने पाया कि दुरगावती देवी कथित दूसरे विवाह की तारीख, स्थान और विवाह के दौरान निभाई गई धार्मिक रस्मों का स्पष्ट विवरण देने में असमर्थ रहीं। उनके पक्ष में पेश किए गए गवाह भी यह स्पष्ट नहीं कर सके कि विवाह कब और कहां हुआ था तथा कौन-कौन सी आवश्यक रस्में निभाई गई थीं। गवाहों की ओर से सप्तपदी या सिंदूरदान जैसी महत्वपूर्ण रस्मों के संपन्न होने का भी स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया। कथित विवाह में शामिल पुरोहित के नाम को लेकर भी गवाहों के बयानों में विरोधाभास पाया गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने माना कि कथित दूसरे विवाह के विधिवत संपन्न होने का पर्याप्त प्रमाण नहीं है।

अदालत ने यह भी पाया कि 2004 की वोटर लिस्ट में दुरगावती देवी का नाम सचिता चौधरी की पत्नी के रूप में दर्ज था, जबकि 2009 की दूसरी वोटर लिस्ट में उन्हें उनके पहले पति सुरेश चौधरी की पत्नी बताया गया था। हाईकोर्ट ने इन विरोधाभासी दस्तावेजों को वैध विवाह का निर्णायक प्रमाण मानने से इनकार कर दिया।पीठ ने कहा कि भरण-पोषण से जुड़े मामले में दिया गया आदेश विवाह की वैधता का अंतिम प्रमाण नहीं है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत कार्यवाही का उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्ति को भरण-पोषण उपलब्ध कराना है, न कि विवाह की वैधता का अंतिम निर्धारण करना।

बिहार में पुराने ई-चालान पर मिलेगी 50 प्रतिशत तक की छूट, 12 सितंबर की लोक अदालत में निपटेंगे पात्र मामले

पटना, (ईएमएस)। बिहार में लंबे समय से लंबित यातायात ई-चालान का भुगतान करने वाले वाहन मालिकों और चालकों के लिए राहत की खबर है। परिवहन विभाग ने पात्र पुराने ई-चालानों के निपटारे पर 50 प्रतिशत तक की छूट देने का प्रावधान किया है। इस सुविधा का लाभ 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लिया जा सकेगा। परिवहन विभाग के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक के पात्र लंबित यातायात ई-चालान इस योजना के दायरे में आएंगे। वाहन मालिक और चालक राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने पुराने ई-चालान का निपटारा करा सकेंगे। पात्र मामलों में निर्धारित नियमों के अनुसार चालान राशि में 50 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। विभाग का उद्देश्य लंबे समय से लंबित मामलों का त्वरित निपटारा करना और वाहन मालिकों को राहत देना है।यह छूट सभी प्रकार के ई-चालानों पर लागू नहीं होगी। योजना के तहत सामान्य प्रकृति के यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े पात्र मामलों को शामिल किया गया है। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाना, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना और वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बिना वाहन चलाने जैसे मामले शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना, रेड लाइट का उल्लंघन और स्टॉप साइन का पालन नहीं करने जैसे सामान्य यातायात उल्लंघनों से जुड़े पात्र ई-चालान भी योजना के दायरे में आ सकते हैं। चालक की नियुक्ति या प्राधिकरण से जुड़े कुछ सामान्य उल्लंघन भी निर्धारित शर्तों के तहत छूट के पात्र हो सकते हैं।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी लंबित ई-चालानों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। वाणिज्यिक वाहनों से जुड़े ई-चालान और गंभीर प्रकृति के यातायात उल्लंघनों से संबंधित मामले छूट के दायरे से बाहर रखे गए हैं। इसलिए केवल चालान का पुराना और लंबित होना पर्याप्त नहीं होगा। छूट का लाभ लेने के लिए चालान की तारीख, उल्लंघन का प्रकार और संबंधित मामले की पात्रता निर्धारित शर्तों के अनुरूप होना आवश्यक है।पात्र वाहन मालिक और चालक 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लंबित ई-चालान का निपटारा करा सकेंगे। इसके लिए संबंधित जिला स्तर पर लोक अदालत के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे लोक अदालत से पहले अपने लंबित ई-चालान की स्थिति और पात्रता की जांच कर लें, ताकि निपटारे के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

उड्डयन मंत्री ने अक्टूबर से पूर्णिया टू बंगलुरू , मुंबई उड़ान प्रारंभ की बात कही : पप्पू यादव

पूर्णिया, 13 अगस्त (हि.स.)।पूर्णिया एयरपोर्ट से यात्री विमान सेवा शुरू होने के एक वर्ष पूरे होने पर सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू से मुलाकात कर आभार जताया। सांसद ने पूर्णिया से मुंबई और बेंगलुरु के लिए सीधी उड़ान शुरू कराने की मांग की। पप्पू यादव के अनुसार, मंत्री ने बताया कि पूर्णिया-मुंबई और पूर्णिया-बेंगलुरु मार्ग पर अक्तूबर माह तक उड़ान शुरू होने की संभावना है। सांसद ने कहा कि इन दोनों महानगरों के लिए सीधी सेवा शुरू होने से सीमांचल के व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और मरीजों को बड़ी सुविधा मिलेगी।सांसद ने पूर्णिया एयरपोर्ट के स्थायी टर्मिनल और अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में तेजी लाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि स्थायी टर्मिनल भवन एवं संबद्ध कार्यों के लिए करीब 294.05 करोड़ रुपये की ईपीसी निविदा जारी की गई है, लेकिन वास्तविक निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है।

तिरंगा यात्रा में 6 बिहार एनसीसी कैडेटों ने बढ़ाया उत्साह

गया जी (एजेंसी) : हर घर तिरंगा अभियान के तहत गया जी में आयोजित तिरंगा यात्रा में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा में बिहार विधानसभा अध्यक्ष सह गया शहर विधायक डॉ. प्रेम कुमार और बेलागंज विधायक मनोरमा देवी ने भी सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर एनसीसी कैडेटों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान कैडेटों ने अनुशासन और जोश के साथ मार्च करते हुए लोगों को

राष्ट्रध्वज के सम्मान और देश के प्रति जिम्मेदारियों के लिए प्रेरित किया। एनसीसी कैडेटों की भागीदारी से यात्रा में विशेष उत्साह देखने को मिला। कैडेटों ने आम लोगों से हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। इस अवसर पर 6 बिहार एनसीसी बटालियन से सूबेदार कुमोद और हवलदार अमित कुमार ने भी तिरंगा यात्रा में भाग लिया। एनसीसी अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होती है। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर रहा।

मुजफ्फरपुर में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, दो राउंड फायरिंग कर शातिर उत्तम राय फरार

मुजफ्फरपुर, (एजेंसी) : जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां जजुआर थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर वांछित अपराधी उत्तम राय और उसके सहयोगियों ने ताबड़तोड़ दो राउंड फायरिंग की और मौके से फरार होने में कामयाब रहे।

इस दुस्साहसिक घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

मामले की जानकारी देते हुए सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि पुलिस को कुख्यात अपराधी उत्तम राय के जजुआर थाना क्षेत्र में छिपे होने की सटीक सूचना मिली थी। इसी आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम ने चिन्हित ठिकाने पर छापेमारी की। पुलिस बल को देखते ही अपराधी उत्तम राय और उसके साथी ने हड़बड़ाहट में फायरिंग शुरू कर दी।

अपराधियों ने खुद को घिरा देख पुलिस टीम को निशाना बनाते हुए दो गोलियां चलाईं। आत्मरक्षार्थ और अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए

फायरिंग की। हालांकि, इस फायरिंग के बीच अपराधी अपना सारा सामान छोड़कर बाइक पर सवार होकर अपने सहयोगी के साथ भागने में सफल रहे।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की छानबीन के दौरान पुलिस ने अपराधियों द्वारा छोड़े गए पांच जिंदा कारतूस, दो मोबाइल फोन और एक वाई-फाई राउटर बरामद किया है। इन सामानों को जब्त कर तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, फरार उत्तम राय एक शातिर और कुख्यात अपराधी है। उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और दरभंगा सहित आसपास के कई जिलों में हत्या, लूट और रंगदारी जैसे करीब एक दर्जन गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी।

घटना के बाद जजुआर के आस-पास के सभी इलाकों को सील कर दिया गया है। पुलिस जगह-जगह नाकेबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चला रही है। सिटी एसपी ने दावा किया है कि अपराधियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है और जल्द ही फरार उत्तम राय और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपादान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता : विजय कुमार सिन्हा

पटना, (एजेंसी) : कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज विभागीय अधिकारियों के साथ उर्वरक,बीज एवं कीटनाशी की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था, होलसेलर एवं रिटेलर स्तर पर उर्वरक की आपूर्ति, कंपनियों द्वारा निर्धारित दर एवं सड़क मार्ग से माल ढुलाई (एफओआर) व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन सहित किसानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की उच्चस्तरीय समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि उपादान उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर अमानक उर्वरक, बीज या कीटनाशी की बिक्री, अधिक मूल्य पर बिक्री,अनियमित वितरण, टैगिंग अथवा अन्य किसी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित थोक एवं खुदरा प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए सुसंगत धाराओं मे प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

कृषि मंत्री ने सख्त शब्दों में कहा कि बिहार को कंपनियों की चारागाह नहीं बनने दिया जाएगा। किसानों के हित में राज्य सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की मनमानी, अनुचित व्यापारिक व्यवहार अथवा वितरण व्यवस्था में अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कंपनियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा और किसानों तथा राज्य की उर्वरक वितरण व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार एफओआर की व्यवस्था को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए भारत सरकार एवं संबंधित कंपनियों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। कंपनियां एफओआर की व्यवस्था को केवल कागजों तक सीमित न रखते हुए इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि इसका वास्तविक लाभ समय पर किसानों तक पहुंचे।इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ आवश्यक कार्रवाई करें।

मंत्री ने कहा कि उर्वरक वितरण व्यवस्था में शामिल होलसेलर, रैक हैंडलर एवं संबंधित कंपनियां अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करें।किसानों के हितों की अनदेखी अथवा विभागीय निदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बार-बार अनियमितता सामने आने पर संबंधित प्रतिष्ठानों एवं जिम्मेदार संस्थाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि यदि किसी होलसेलर को संबंधित कंपनी द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर उ-

ईमानदारी- समर्पण और संवेदनशीलता के साथ लोगों की सेवा करनी है : मुख्यमंत्री

पटना, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज बापू सभागार में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में सफल 2,027 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उनके जीवन का ऐतिहासिक अवसर है। बड़ी संख्या में एक साथ नियुक्ति पत्र का वितरण एक नया रिकॉर्ड है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा और जनकल्याण का मार्ग है। नवनियुक्त पदाधिकारियों के माध्यम से समाज के किसी न किसी व्यक्ति की उन्नति का रास्ता खुलेगा। उन्होंने कहा कि आपलोग जितने ईमानदार, समर्पित और संवेदनशील होकर कार्य करेंगे, बिहार उतनी ही तेजी से आगे बढ़ेगा। 'विकसित भारत' और 'समृद्ध बिहार के निर्माण के लिए सरकार के साथ-साथ समाज के हर वर्ग और प्रत्येक नागरिक का सामूहिक प्रयास जरूरी है। बिहार के विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और नवनियुक्त पदाधिकारी इस विकास यात्रा के महत्वपूर्ण सहभागी होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच 12 लाख सरकारी नौकरियां एवं 50 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। वर्ष 2025 से 2030 तक 1 करोड़ नौजवानों के लिए नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।उन्होंने कहा कि बिहार का बजट बढ़कर 3.47 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। राज्य में शहरी विकास को गति देने के लिए 12 नई टाउनशिप विकसित की जाएगी, जिनमें बड़े पैमाने पर निवेश आएगा।

गया जी में 200 करोड़ से बनेगा जिला परिषद का जी-प्लस-5 अत्याधुनिक मॉल

जिला परिषद की जमीन की 1.30 लाख वर्गफीट सतह क्षेत्र में होगा मॉल का निर्माण

गया जी (एजेंसी) : गया जी शहर के प्रमुख इलाके में जिला परिषद की खाली एवं जर्जर परिसंपत्तियों वाली जमीन को विकसित कर अत्याधुनिक मॉल सह व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाने की तैयारी तेज हो गई है। जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी और उपाध्यक्ष डॉ शीतल प्रसाद यादव ने बताया कि करीब 1.30 लाख वर्गफीट जमीनी सतह क्षेत्र में प्रस्तावित मॉल का निर्माण जी-प्लस-5 स्वरूप में कराने की

योजना है। परियोजना पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। मॉल में लगभग 500 छोटे-बड़े दुकानों की सुविधा देने के साथ अंडरग्राउंड पार्किंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। जिला परिषद की सामान्य बैठक में इस परियोजना को लेकर पहले ही प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। डीपीआर तैयार करने के लिए आर्किटेक्ट का चयन कर लिया गया है और अब डीपीआर निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है। योजना के अनुसार दुकानों की नंबरिंग किए जाने के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मॉल के ऊपरी तल पर जिला परिषद के सभागार सहित अन्य सुविधाओं के निर्माण की भी योजना है।

अम्बेदकर मार्केट के जर्जर भवन होंगे विस्थापित

परियोजना के लिए अम्बेदकर मार्केट परिसर के पीछे स्थित जर्जर आवासीय परिसर को विस्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके दायरे में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आवास, एसीईओ आवास, पुराना जिला परिषद सभागार, जर्जर डाकबंगला, कर्मचारियों के क्वार्टर तथा अन्य पुराने भवन शामिल हैं। हालांकि संबंधित परिसंपत्तियों को हटाने और नए निर्माण के लिए सरकार से आवश्यक अनुमति लेने की प्रक्रिया का भी उल्लेख बैठक की कार्यवाही में किया गया है। डाकबंगला जैसी पुरानी परिसंपत्तियों के मामले में पुरातत्व विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता भी बताई गई है। परिसर के विकसित होने के बाद जिला परिषद की आंतरिक आय में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है।

संपादकीय

केवाईसी के बढ़ते बोझ से परेशान आम आदमी

आधार व्यवस्था लागू करते समय यह उम्मीद जताई गई थी कि देश के प्रत्येक नागरिक को एक ऐसी विशिष्ट पहचान उपलब्ध होगी, जिसका उपयोग विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी सेवाओं में किया जा सकेगा। नागरिकों की पहचान, पता और बायोमेट्रिक जानकारी एक केंद्रीकृत व्यवस्था में दर्ज होने के बाद यह माना गया था कि बार-बार पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता कम होगी। लेकिन समय बीतने के साथ तस्वीर कुछ अलग दिखाई देने लगी है।

आज आम नागरिक को बैंक से लेकर राशन दुकान, गैस एजेंसी और दूसरी अनेक सेवाओं तक के लिए बार-बार केवाईसी यानी ह्यनो योर कस्टमरह्व प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। कई जगह आधार, पहचान पत्र, पता प्रमाण और अन्य दस्तावेजों की प्रतियां फिर से जमा कराने की आवश्यकता पड़ती है। जिन लोगों ने पहले ही अपनी पहचान संबंधी जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में उपलब्ध करा रखी है, उनके लिए यह प्रक्रिया अतिरिक्त परेशानी का कारण बन रही है।

केवाईसी की जरूरत यदि किसी विशेष कारण से है तो उसकी स्पष्ट जानकारी नागरिकों को मिलनी चाहिए। समस्या तब पैदा होती है, जब उपभोक्ता को यह पता ही नहीं होता कि उसकी केवाईसी कब और क्यों जरूरी हो गई। कई मामलों में लोगों को सेवा बंद होने या लेन-देन में बाधा आने के बाद इसकी जानकारी मिलती है। इसके बाद उन्हें अपने जरूरी काम छोड़कर संबंधित कार्यालय या एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए यह परेशानी और अधिक गंभीर है। एक व्यक्ति को केवाईसी के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ सकता है। परिवार के कई सदस्यों की अलग-अलग प्रक्रिया पूरी करनी हो तो समय और खर्च दोनों बढ़ जाते हैं। मजदूरी या छोटे कारोबार पर निर्भर व्यक्ति के लिए एक दिन का काम छूटना भी आर्थिक नुकसान है।

बैंकिंग सेवाओं में केवाईसी से जुड़ी प्रक्रिया का उद्देश्य वित्तीय व्यवस्था को सुरक्षित बनाना और गलत इस्तेमाल को रोकना है। लेकिन यह भी जरूरी है कि सुरक्षा के नाम पर सामान्य नागरिक को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। यदि किसी ग्राहक की जानकारी पहले से उपलब्ध है और उसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है, तो हर बार पूरी प्रक्रिया दोहराने की जरूरत पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।

:अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है।

: मैक्स लर्नर

सूडोकु नवताल- 7603

★★★✯☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7602 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

दैनिक पंचांग

14 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 226 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 18.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 03.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** परिघ 09.29 बजे को समाप्त। **करण** बालव 07.41 बजे तदनन्तर कौलव 18.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872801 **जूलियन दिन** 2461266.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 30 **विशेष** चन्द्रदर्शन, सिंधारा दोज, विभाजन विभीषिका एवं सिंधु स्मृति दिवस।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	सिंह में
मंगल	मिथुन में
बुध	कर्क में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	05.53 बजे से
कन्या	08.05 बजे से
तुला	10.15 बजे से
वृश्चिक	12.30 ब.से
धनु	14.46 बजे से
मकर	16.51 बजे से
कुंभ	18.38 बजे से
मीन	20.11 बजे से
मेष	21.41 बजे से
वृष	23.21 बजे से
मिथुन	01.19 बजे से
कर्क	03.33 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

---

राष्ट्र विखंडन की त्रासद विभीषिका एवं अखंड भारत की सनातन सांस्कृतिक अवधारणा

14 अगस्त की तिथि आधुनिक भारतीय इतिहास के क्षितिज पर मात्र एक तिथि नहीं, अपितु कोटि-कोटि कंठों के क्रंदन, अखंड भारत के अंग-भंग और इतिहास के क्रूरतम विस्थापन की मूक साक्षी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में इस दिवस को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में अंगीकार करना केवल औपनिवेशिक कालखंड की एक दुर्घटना का स्मरण मात्र नहीं है। यह उस सनातन राष्ट्रचेतना के विखंडन का राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन है, जिसने सहस्त्रों वर्षों से एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति के महामंत्र को आत्मसात किया था। राजनीतिक स्वार्थों, औपनिवेशिक कूटनीति (डिवाइड एंड रूल) और मजहबी कट्टरता के त्रिवेणी संगम ने 1947 में जिस विभीषिका को जन्म दिया, उसकी गहराई को समझने के लिए हमें प्राचीन भारतीय ग्रंथों की उस शाश्वत सत्य शैली का आश्रय लेना होगा, जहां राष्ट्र को मिट्टी का पिंड नहीं, अपितु एक चैतन्यमयी सांस्कृतिक इकाई माना गया है। शाश्वत्त सत्य कि जो राष्ट्र अपने अतीत के सत्य को वर्तमान में विस्मृत कर देता है, उसका भविष्य आत्मविस्मृति के अंधकार में विलीन हो जाता है। आधुनिक पाश्चात्य राजनीति शास्त्र राष्ट्र को केवल एक निश्चित भूभाग, जनसंख्या और संप्रभुता का विधिक ढांचा मानता है। इसके विपरीत, प्राचीन भारतीय मनीषियों ने राष्ट्र को एक जीवित, जाज्वल्यमान और देवत्व से परिपूर्ण सत्ता के रूप में देखा। ऋग्वेद से लेकर अथर्ववेद तक राष्ट्र की अखंडता और उसकी सुरक्षा के प्रति ऋषियों की अनन्य निष्ठा दृष्टिगोचर होती है। अथर्ववेद 12/1/12 के सुप्रसिद्ध पृथ्वी सूक्त में उद्घोषणा की गई है कि यह भूमि मेरी माता है और मैं इस पृथ्वी का पुत्र हूं-

माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः।

ऋषि यहां किसी कृत्रिम सीमा रेखा की बात नहीं कर रहे, अपितु भूमि और मानव के बीच एक अटूट, जैविक और आध्यात्मिक संबंध को प्रतिपादित कर रहे हैं। जब हम राष्ट्र को माता स्वीकार करते हैं, तब उसका विभाजन केवल मानचित्र पर खींची गई रेखा नहीं, अपितु साक्षात मातृ हृदय का विदारण बन जाता है।

ऋग्वेद के संज्ञान सूक्त में कहा गया है-

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्।

अर्थात- हमारे विचार समान हों, हमारी समितियां समान हों, और हमारे हृदय एक सूत्र में बंधे हों।

1947 का विभाजन इसी समानी चेतना पर आघात था। जब समाज का एक वर्ग अपने ही सहोदरों से पृथक होकर रहने की जिद पर अड़ गया, तो उसने ऋग्वैदिक काल की उस सह अस्तित्व की भावना को तिलांजलि दे दी जो भारत की आत्मा थी। विभाजन ने जिस भारत को खंडित किया, उसकी सीमाओं का निर्धारण किसी ब्रिटिश अधिकारी सिरिल रैडक्लिफ ने नहीं, बल्कि युगों पूर्व हमारे पुराणों ने कर दिया था। विष्णु पुराण 2/3/1 का यह श्लोक अखंड भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमा का अचूक दस्तावेज है-

उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।

वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र संततिः।।

अर्थात- समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में जो भूभाग स्थित है, उसका नाम भारतवर्ष है, और वहां की संतानें भारती कहलाती हैं।

यह श्लोक प्रमाणित करता है कि अटक से कटक तक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक का संपूर्ण भूभाग एक अविभाज्य भौगोलिक इकाई था। सिंध, पंजाब, बलूचिस्तान और बंगाल, जिन्हें विभाजन की बलिवेदी पर चढ़ा दिया गया, वे इसी विष्णु पुराण के भारतवर्ष के अभिन्न अंग थे। जब इन क्षेत्रों को भारत से पृथक किया गया, तो मूलतः भारत के उस भौगोलिक शरीर को क्षत-विक्षत किया गया जिसकी कल्पना ऋषियों ने की थी।

भारतीय इतिहास का मध्यकाल और आधुनिक काल इस बात का साक्षी है कि जिस देश ने कभी वसुधैव कुटुम्बकम् का पाठ पढ़ाया, वहां अचानक ऐसी सांप्रदायिक खाई कैसे उत्पन्न हो गई? 19वीं और 20वीं शताब्दी में ब्रिटिश साम्राज्य ने अपनी सत्ता को दीघार्यु बनाने के लिए बांटो और राज करो की नीति अपनाई। सर सैयद अहमद खान से लेकर मोहम्मद अली जिन्ना तक की यात्रा इसी औपनिवेशिक विषवृक्ष का विस्तार थी। द्विराष्ट्र सिद्धांत का मूल तर्क यह था कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग संस्कृतियां हैं, जिनका एक साथ रहना असंभव है। यह सिद्धांत प्राचीन भारतीय दर्शन के पूर्णतः प्रतिकूल था। ऋग्वेद कहता है-

एकम सद्विप्रा बहुधा वदन्ति।

जब सत्य एक है, और उसके मार्ग अनेक हो सकते हैं, तो मजहब के आधार पर राष्ट्र का निर्धारण कैसे न्यायसंगत हो सकता था? परंतु, सत्ता लोलुपता और मजहबी वर्चस्ववाद के कारण इतिहास के इस शाश्वत सत्य को नकार दिया गया।14 अगस्त 1947 को जब दिल्ली के वायसराय भवन में स्वतंत्रता का उत्सव मनाने की तैयारियां चल रही थीं, ठीक उसी समय पंजाब और बंगाल की धरती निर्दोषों के रक्त से लाल हो रही थी। यह केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं था, अपितु एक समूची सभ्यता का अपनी ही जड़ों से उजड़ जाना था। लगभग 1.5 करोड़ से अधिक लोगों को रातों-रात अपना घर, अपनी पैतृक भूमि और अपनी स्मृतियों को छोड़कर सीमा के इस पार या उस पार जाने पर विवश होना पड़ा। अनुमानतः 5 लाख से 20 लाख के बीच निर्दोष पुरुष, महिलाएं और बच्चे मजहबी उन्माद की वेदी पर होम कर दिए गए। हजारों महिलाओं का अपहरण हुआ, उनके साथ पाशविक अत्याचार किए गए। मजहब के नाम पर मानवता को इस प्रकार कलंकित किया गया कि स्वयं काल भी लज्जित हो उठा। ट्रेनों की ट्रेनें लाशों से भरकर अमृतसर और लाहौर पहुंच रही थीं। जिन नदियों के तटों पर ऋषियों ने सामगान किया था, उन रावी, सतलुज और सिंधु का जल मनुष्यों के रक्त से कलुषित हो चुका था। यह दृश्य महाभारत के युद्ध के बाद के श्मशान जैसा था, किंतु अंतर यह था कि यहाँ कोई धर्मयुद्ध नहीं, बल्कि केवल अंध उन्माद था।

प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा में विघटन, अधर्म और विनाश के कारणों का सूक्ष्म विश्लेषण मिलता है। यदि हम विभाजन की घटना को श्रीमद्भगवद्गीता और महाभारत के आलोक में देखें, तो इसके अंतर्निहित कारण स्पष्ट हो जाते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता के सोलहवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण दैवी और आसुरी संपदा का वर्णन करते हैं। आसुरी वृत्ति के लक्षणों को बताते हुए वे कहते हैं-

असत्यमप्रतिष्ठं ते जगदाहुरनीश्वरम्।

अ प र स्प र सं भू तं किमन्यत्कामहैतुकम्।।

- श्रीमद्भगवद्गीता 16/8

अर्थात- वे आसुरी स्वभाव वाले लोग जगत को आश्रयरहित, सर्वथा असत्य और बिना ईश्वर के, केवल स्त्री-पुरुष के संयोग से उत्पन्न मानते हैं, जिसका काम के अतिरिक्त अन्य कोई कारण नहीं है।

विभाजन के समय जिस हिंसक मनोवृत्ति का प्रकटीकरण हुआ, वह इसी आसुरी वृत्ति का साक्षात स्वरूप था। जब मनुष्य के भीतर से नैतिक मूल्य, करुणा और परमात्मा का अंश समाप्त हो जाता है, तब वह अपने ही पड़ोसी के रक्त का प्यासा हो जाता है। जिन्ना की डायरेक्ट एक्शन डे (प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस) की घोषणा इसी आसुरी अहंकार का परिणाम थी, जिसने कोलकाता से लेकर नोआखली तक नरसंहार का तांडव रचा।

महाभारत का युद्ध केवल इसलिए हुआ क्योंकि धृतराष्ट्र का पुत्रमोह न्याय और धर्म पर भारी पड़ गया था। 1947 के कालखंड में भी तत्कालीन राजनैतिक नेतृत्व में एक प्रकार का धृतराष्ट्र मोह जागृत हो गया था। सत्ता प्राप्ति की आतुरता और तुष्टिकरण की नीति ने उस समय के कर्णधारों की आँखों पर पट्टी बांध दी थी। महाभारत के उद्योग पर्व में विदुर जी धृतराष्ट्र से कहते हैं-

त्यजेदेकं कुलस्यार्थे ग्रामस्यार्थे कुलं त्यजेत्।

ग्रामं जनपदस्यार्थे आत्मार्थे पृथिवीं त्यजेत्।।

अर्थात- कुल की रक्षा के लिए एक व्यक्ति का, ग्राम की रक्षा के लिए कुल का, जनपद की रक्षा के लिए ग्राम का और अपनी आत्मा के कल्याण के लिए पूरी पृथ्वी का त्याग कर देना चाहिए।

परंतु आधुनिक राजनीति ने इसके विपरीत आचरण किया। एक वर्ग विशेष की अनुचित मांगों को संतुष्ट करने के लिए पूरे जनपद (देश) का ही परित्याग कर दिया गया। राष्ट्र की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के स्थान पर, तात्कालिक शांति के छद्म जाल में फंसकर देश के विभाजन को स्वीकार कर लिया गया, जो अंततः और अधिक अशांति और स्थायी शत्रुता का कारण बना। विभाजन केवल भूमि का नहीं था, वह हमारी सांस्कृतिक चेतना के केंद्रों का हरण था। भारत ने अपनी भूमि का वह भाग खो दिया जहां उसकी ज्ञान परंपरा समृद्ध हुई थी। तक्षशिला विश्व का प्रथम विश्वविद्यालय, जहां चाणक्य ने अर्थशास्त्र की रचना की और अखंड भारत का स्वप्न देखा था, वह विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चला गया। हमारा नाम हिंदू और इंडिया जिस सिंधु नदी से व्युत्पन्न है, वह पूरी नदी भारत के मानचित्र से बाहर हो गई। ऋग्वेद के अधिकांश सूक्त इसी सिंधु के तट पर प्रकट हुए थे। सनातनी आस्था के सर्वोच्च केंद्र जैसे हिंगलाज माता मंदिर (बलूचिस्तान) और शिव की आंसुओं से बनी झील कटासराज (पंजाब) सीमा पार रह गए। यह सोचना अत्यंत पीड़ादायक है कि जिस संस्कृति ने अखंडता को पूजनीय माना, उसका मूल उद्गम स्थल ही उससे छीन लिया गया। भारत सरकार द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने का निर्णय केवल अतीत के घावों को कुरेदना नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य भावी पीढ़ी को उस ऐतिहासिक भूल से अवगत कराना है, जिसने राष्ट्र को अपूरणीय क्षति पहुंचाई।

मनुस्मृति में कहा गया है कि इतिहास और स्मृतियां ही समाज को मयार्दा में रखती हैं। यदि हम इतिहास के काले पन्नों को दबा देंगे, तो हम कभी भी उन शक्तियों को नहीं पहचान पाएंगे जो आज भी भारत के भीतर टुकड़े-टुकड़े की मानसिकता को जीवित रखे हुए हैं। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि सांप्रदायिकता, तुष्टिकरण और क्षेत्रीय संकीर्णता का अंत कितना भयानक हो सकता है। ऋषियों ने जिस अखंडता की बात की थी, वह केवल सैन्य बल से जीती गई भूमि नहीं थी, वह सांस्कृतिक एकता थी। आज भले ही भौगोलिक सीमाएं भिन्न हों, परंतु वैचारिक और आध्यात्मिक स्तर पर संपूर्ण उपमहाद्वीप को एक सूत्र में पिरोना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है।उल्लेखनीय है कि सत्य कभी पराजित नहीं होता। 1947 का विभाजन सत्य की हार नहीं, बल्कि तात्कालिक राजनीति की कायरता का परिणाम था। भूमि विभाजित हो सकती है, मानचित्रों पर नई रेखाएं खींची जा सकती हैं, परंतु जिस राष्ट्र की आत्मा में वेद, उपनिषद और गीता प्रवाहित हैं, उसकी सांस्कृतिक एकता को कोई भी कृत्रिम रेखा स्थायी रूप से समाप्त नहीं कर सकती। विभाजन की विभीषिका से झुलसे उन लाखों हुतात्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम एक ऐसे समर्थ, संगठित और एकात्म भारत का निर्माण करें, जहां पुनः कोई विदेशी या स्वदेशी शक्ति हमें जाति, मत और मजहब के नाम पर विभाजित न कर सके।

ॐ संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।अर्थात- हम सब साथ चलें, साथ बोलें, और हमारे मन एक हों, यही अखंड भारत का शाश्वत मार्ग है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बंदूक से रैंप तक, बस्तर की बेटियों ने बदल दी नक्सलवाद की तस्वीर

बस्तर की धरती पर सबसे बड़ी खबर अब यह नहीं है कि कितनी बंदूकें बरामद हुईं, कितने नक्सली मारे गए या कितनों ने आत्मसमर्पण किया। असली खबर वह तस्वीर है, जिसमें कभी जंगलों में हथियार लेकर चलने वाली महिलाएं रायपुर के मंच पर कोसा सिल्क पहनकर रैंप पर उतरती हैं। 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आत्मसमर्पित पूर्व महिला नक्सलियों की यह रैंप वॉक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सुरक्षा अभियान के बाद शुरू होने वाली उस असली लड़ाई का चेहरा दिखाती है, जिसे आंकड़ों में नापना कठिन है हिंसा छोड़ चुके इंसान को सम्मान के साथ नई जिंदगी देना।13 अगस्त को सामने आए इस दृश्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन महिलाओं से मुलाकात की, उनका हौसला बढ़ाया और रैंप पर उनकी मौजूदगी ने पूरे सभागार को तालियों से भर दिया। मुंबई से आई टीम ने उन्हें रैंप वॉक का प्रशिक्षण दिया। जिन हाथों में कभी बंदूक थी, उनमें अब हुनर है। जिन चेहरों से कभी जंगल का भय जुड़ा था, उन चेहरों पर अब आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है।यहीं अमित शाह की 31 मार्च 2026 वाली घोषणा का अर्थ भी बदल जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने पहले देश को नक्सलवाद से मुक्त करने की समयसीमा तय की थी और 31 मार्च को बस्तर समेत देश को नक्सलमुक्त घोषित करने की बात सामने आई। लेकिन नक्सलमुक्ति की घोषणा सुरक्षा व्यवस्था का अंत नहीं, विकास की सबसे कठिन शुरूआत है। गोली चलने का खतरा कम करना एक लक्ष्य था; अब ऐसी जिंदगी बनाना लक्ष्य होना चाहिए, जिसमें किसी युवक या युवती को बंदूक उठाने का कारण ही न मिले।

आंकड़े बताते हैं कि यह बदलाव अचानक नहीं आया। 31 मार्च की समयसीमा के आखिरी दिन बस्तर रेंज के चार जिलों में 44 माओवादियों के आत्मसमर्पण की खबर सामने आई और 217 हथियार जमा हुए। उससे पहले जनवरी 2024 से मार्च 2026 तक सुकमा में 38 मुठभेड़ों में 84 नक्सलियों के मारे जाने, 478 गिरफ्तारियों और 743 आत्मसमर्पण की जानकारी सामने आई। ये आंकड़े सुरक्षा बलों के दबाव, खुफिया तंत्र और आत्मसमर्पण नीति के असर को दिखाते हैं। लेकिन इनके पीछे एक सवाल भी होना चाहिए कितनों को स्थायी रोजगार मिला?यही वह सवाल है जिसे नक्सलमुक्ति के जश्न के बीच दबने नहीं देना चाहिए। बंदूक छोड़ना कठिन है, लेकिन बंदूक छोड़ने के बाद सामान्य नागरिक बनकर जीना उससे भी कठिन हो सकता है। आत्मसमर्पित व्यक्ति को घर चाहिए, कौशल चाहिए, आय चाहिए, शिक्षा चाहिए और समाज का भरोसा चाहिए। अगर उसे हर दिन उसके अतीत से पहचाना जाएगा, तो मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया अधूरी रहेगी। कानून अपराध की जवाबदेही तय करे, लेकिन समाज सुधार का दरवाजा बंद कर देगा तो पुनर्वास का अर्थ ही खत्म हो जाएगा।छत्तीसगढ़ में पुनर्वास और कौशल विकास पर जोर इसी कारण निर्णायक है। अप्रैल में सुकमा पहुंचे मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित युवाओं से मुलाकात की थी। उस समय बताया गया कि 2026 में 307 हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया और 313 मुख्यधारा में लौटे युवाओं को हर महीने 10 हजार रुपये का स्टाइपेंड दिया जा रहा था। सरकार का लक्ष्य केवल पुनर्वास नहीं, अवसर देना बताया गया। सहायता किसी को कुछ महीने संभाल सकती है; अवसर उसे वर्षों तक खड़ा रखता है।

जून में सुकमा के पुनर्वास केंद्र में 25 आत्मसमर्पित नक्सलियों, जिनमें 13 महिलाएं थीं, को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया गया। यहां कैमरे की चमक नहीं, रोजी-रोटी का सवाल है। अगर किसी पूर्व उग्रवादी के हाथ ईंट जोड़ना, घर बनाना या कपड़ा बुनना सीखते हैं, तो यह केवल कौशल प्रशिक्षण नहीं; यह हिंसा की अर्थव्यवस्था से श्रम की अर्थव्यवस्था में बदलाव है।बस्तर में महिलाओं की दूसरी तस्वीर भी सामने आ रही है। जून में सुकमा की दो आदिवासी युवतियों पुष्पा माड़काम और दिल्पा किच्चे को प्राथमिक लघु वनोपज समितियों का प्रबंधक बनाया गया और उन्होंने इस सीजन में 4.52 करोड़ रुपये के तेंदूपत्ता कारोबार की जिम्मेदारी संभाली। इसका मतलब साफ है जिस इलाके को लंबे समय तक बंदूक और भय से पहचाना गया, वहां महिलाएं अब बाजार, प्रशासन और कारोबार की जिम्मेदारी भी उठा रही हैं। यही बदलाव नक्सलमुक्ति की असली सफलता है।इसलिए रायपुर की रैंप वॉक को सिर्फ वायरल वीडियो बनाकर छोड़ देना सबसे बड़ी भूल होगी। इसे पुनर्वास मॉडल का हिस्सा बनाना होगा। कोसा सिल्क, बस्तर की बुनाई, हस्तशिल्प, वनोपज और जनजातीय कला को प्रशिक्षण, डिजाइन, ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ना होगा। एक दिन की तालियां आत्मविश्वास देती हैं, लेकिन नियमित आमदनी आत्मनिर्भरता देती है। रैंप पर मिली पहचान तभी स्थायी होगी, जब अगले महीने भी इन महिलाओं के घर में उनकी मेहनत की कमाई पहुंचे।

नक्सलमुक्त बस्तर की अगली चुनौती इसलिए सुरक्षा नहीं, अवसर है। सड़कें बन गईं तो उन पर बाजार भी चलना चाहिए। मोबाइल नेटवर्क पहुंचा तो उससे शिक्षा और कारोबार भी जुड़ना चाहिए। सुरक्षा कैंप बने तो उनके आसपास बैंक, स्वास्थ्य, राशन, कौशल और रोजगार की सुविधाएं भी पहुंचनी चाहिए। अगर सरकार बंदूक की जगह विकास चाहती है, तो उसे हर गांव में राज्य की मौजूदगी जमीन तक ले जानी होगी।सबसे बड़ा बदलाव तब होगा जब बस्तर का युवा भविष्य का फैसला बंदूक नहीं, स्कूल, कौशल और रोजगार से करेगा। जब पूर्व नक्सली महिला को लोग उसके अतीत से नहीं, उसके काम से पहचानेंगे। जब किसी गांव की लड़की यह कह सकेगी कि वह अधिकारी बनेगी, उद्यमी बनेगी, बुनकर बनेगी या फैशन मॉडल बनेगी तब नक्सलवाद की विचारधारा को वास्तविक जवाब मिलेगा।यह बदलाव इसलिए भी निर्णायक है क्योंकि बस्तर की अगली पीढ़ी को अतीत की हिंसा नहीं, भविष्य के अवसर विरासत में मिलने चाहिए। यही किसी भी शांति अभियान की अंतिम सफलता होगी। और यही राज्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी है।अमित शाह ने नक्सलमुक्ति का लक्ष्य हासिल होने की बात कही है। अब सरकार के सामने उससे भी बड़ा लक्ष्य है बस्तर को अवसरमुक्त नहीं, अवसरों से भरपूर बनाना। क्योंकि नक्सलवाद की हार सिर्फ तब नहीं होती जब आखिरी बंदूक खामोश होती है। उसकी निर्णायक हार तब होती है, जब बंदूक छोड़ चुका हाथ दोबारा हथियार की तरफ देखने की जरूरत महसूस नहीं करता।रायपुर की उस रैंप पर चलती महिलाएं इसलिए बस्तर की नई तस्वीर हैं। तालियों से आगे रोजगार, मंच से आगे बाजार, आत्मसमर्पण से आगे सम्मान और नक्सलमुक्ति से आगे विकास यही वह रास्ता है, जिस पर चलकर सरकार अपने सबसे बड़े दावे को जमीन की सबसे बड़ी सच्चाई में बदल सकती है।

अजय कुमार

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दो राज्यों के शहीद जगदीश प्रसाद वत्स का बलिदान 14 अगस्त को ही हुआ था!

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में एक गांव है खजूरी अकबरपुर जहां की मिटटी शहीद भूमि कहलाती है।इसी भूमि पर जन्मे थे जगदीश प्रसाद वत्स जिन्होंने ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज हरिद्वार में पढ़ते हुए तिरंगे के लिए अपना बलिदान दिया था।तभी तो उन्हें दो राज्यो अर्थात उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश का शहीद माना जाता है।कुछ लोग उनकी बलिदान तिथि को लेकर भृम फैलाने की कौशिश कर रहे है लेकिन गजेटियर, सहारनपुरसन्दर्भ व सहारनपुर जिले का स्वतंत्रता संग्राम पुस्तको व जीआरपी हरिद्वार के रिकॉर्ड से प्रमाणित है कि 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स की शहादत 14 अगस्त सन 1942 को ही हुई थी। जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए हरिद्वार में सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिखा था।इस खजुरी अकबरपुर गांव के जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय में भी शहीद वत्स की प्रतिमा स्थापित की गई है।कुछ माह पूर्व शहीद वत्स की बहन प्रकाशवती व उनके पति मदनलाल शर्मा के नाम पर छात्र प्रतिभा सम्मान प्रदान करने के लिए उत्तराखंड के राज्य मंत्री स्तर श्यामवीर सैनी,उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा निदेशक रहे डॉ आनन्द भारद्वाज 30 मार्च को शहीद भूमि को नमन करने गए थे।जिन्होंने जगदीश वत्स को शहीद भगत सिंह के समतुल्य बताया।17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिंरगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए

सडको पर निकलने और भारत माता की जय,इंकलाब

जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को

अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की

सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की

छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने

सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज

पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल

गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे ,लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को जड़दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुर्छित हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्स्पैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय टृाफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर के रूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश प्रसाद वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल की स्थापना सन 1966 में उनके नाम पर की गई थी।जो आज भी जूनियर हाई स्कूल ही है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये का औपचारिक निमंत्रण

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तुर्किये की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण द्विपक्षीय यात्रा के लिए नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित 31वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री शाह को विदेश यात्रा के लिए मिला यह दूसरा औपचारिक निमंत्रण है। इससे पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उन्हें भारत यात्रा के लिए आमंत्रित कर चुके हैं। भारत के निमंत्रण के जवाब में नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री शाह की ओर से कहा है कि वे उपयुक्त समय पर भारत की यात्रा करेंगे। हालांकि, तुर्किये के राष्ट्रपति के निमंत्रण का जवाब नेपाल की ओर से अभी नहीं भेजा गया है। तुर्किये इस वर्ष 9 नवंबर से 20 नवंबर तक संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। राष्ट्रीय सभा की विकास, आर्थिक मामलों तथा सुशासन समिति की बैठक में विदेश मंत्रालय के संयुक्त राष्ट्र प्रभाग के प्रमुख सह सचिव कृष्णप्रसाद ढकाल ने इसकी जानकारी दी। ढकाल ने समिति की बैठक में कहा कि तुर्किये के राष्ट्रपति की ओर से प्राप्त निमंत्रण प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय को भेज दिया गया है। हालांकि, प्रधानमंत्री सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं, इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री शाह सितंबर-अक्टूबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में भी शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश मंत्री शिशिर खनाल को भेजे जाने की तैयारी है। तुर्किये ने जलवायु परिवर्तन के लिहाज से संवेदनशील पर्वतीय देश नेपाल को विशेष महत्व देते हुए यह निमंत्रण दिया है। नेपाल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विशेष रूप से उन पर्वतीय देशों का मुद्दा उठाता रहा है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं। नेपाल ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर 'सगरमाथा संवाद' जैसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है।

बांग्लादेश में 11 दलों के विपक्षी गठबंधन ने रिटायर्ड कर्नल ओली अहमद को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश में विपक्षी जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 पार्टियों के गठबंधन ने 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को उतारा है। वह जमात नेता एएचएम हामिदुर रहमान के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल के साथ निर्वाचन भवन पहुंचे और मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन को नामांकन पत्र सौंपा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, नामांकन पत्र में जमात अमीर डॉ. शफीकुर रहमान (सांसद) ने ओली अहमद को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया। एनसीपी सांसद अब्दुल्ला अल अमीन ने इसका समर्थन किया। ओली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के चेयरमैन हैं। राष्ट्रपति पद के लिए मतदान 20 अगस्त को होना है। मुख्य चुनाव आयुक्त को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1991 के तहत वोटिंग के लिए 20 अगस्त को जातीय संसद भवन के सेशन चैंबर में सांसदों की बैठक बुलाई है। नामांकन पत्रों की जांच 16 अगस्त को होगी। 18 अगस्त तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। मतदान 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जातीय संसद के सेशन चैंबर में होगा। राष्ट्रपति चुनाव में कुल 349 सांसद मतदाता हैं। अभी एक संसदीय सीट चट्टोग्राम-4 निर्वाचन क्षेत्र, खाली है। यह 35 साल में पहला राष्ट्रपति चुनाव होगा जिसमें एक से ज्यादा उम्मीदवार होंगे। 1991 के बाद पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा। ग्रामीण विकास मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर का नाम पहले ही मीडिया में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संभावित राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर सामने आ चुका है। 24 जुलाई को मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभाला। संविधान के अनुच्छेद 123(2) के अनुसार, इस्तीफे के कारण राष्ट्रपति का पद खाली होने के 90 दिनों के भीतर उस पद को भरने के लिए चुनाव कराना जरूरी है।

आरजी कर मामले में पूर्व तृणमूल विधायक निर्मल घोष ओडिशा से गिरफ्तार

कोलकाता। आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक-प्रशिक्षु के दुष्कर्म और हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है। पानीहाटी के पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक निर्मल घोष को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि आरजी कर अस्पताल में हुई घटना के बाद पीड़िता के शव का कथित तौर पर जबरन अंतिम संस्कार कराने में उनकी भूमिका थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतका के पिता ने सोमवार को उत्तर 24 परगना के खरदह थाने में निर्मल घोष समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसी प्राथमिकी के आधार पर निर्मल घोष को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, नई प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ही निर्मल घोष ओडिशा चले गए थे और वहां छिपकर रह रहे थे। पुलिस की नजर से बचने के लिए वह नए सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे। इसी सिम कार्ड के जरिए वह अपने कुछ करीबी लोगों के संपर्क में थे। मंगलवार को पुलिस ने मोबाइल फोन के टावर लोकेशन के आधार पर निर्मल घोष की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस ने पुरी के आसपास स्थित एक होटल में छापेमारी की और वहां से निर्मल घोष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब निर्मल घोष से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरजी कर मामले में शव के अंतिम संस्कार से जुड़े घटनाक्रम में उनकी भूमिका क्या थी। मामले में दर्ज नई प्राथमिकी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

विश्व हाथी दिवस पर हादसा, तमिलनाडु-केरलम सीमा पर ट्रेन की चपेट में आए गज और शावक की मौत

कोयंबटूर। विश्व हाथी दिवस के दिन तमिलनाडु-केरल सीमा पर ट्रेन की चपेट में आने से हथिनी (मादा हाथी) और एक शावक की मौत हो गई। इसकी वजह क्या ट्रेन की तेज गति होना है? इस कोण से वन विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। यह हादसा केरलम के पलक्कड़ जिले के वालायर इलाके में बुधवार (12 अगस्त) रात करीब पौने 12 बजे हुआ। बताया गया है कि चार हाथियों का झुंड रेल पटरी पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही मंगलुरु एक्सप्रेस की चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। के इंजन के पहियों में फंसकर हथिनी और शावक की मौत हो गई। किसी ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। इसके बाद वालायर वन विभाग के अधिकारी और पलक्कड़ रेलवे अधिकारी पहुंचे। शवों को पोकलेन मशीनों की मदद से हटाया गया। हादसे के कारण तमिलनाडु-केरल के बीच महत्वपूर्ण रेल सेवाएं एक घंटे से अधिक समय तक प्रभावित रहीं। इसके अलावा 'बी' ट्रैक पर केरल से कोयंबटूर आने वाली ट्रेनों को अस्थायी रूप से रोक दिया गया और उस मार्ग से गुजरने वाली ट्रेनों को 'ए' ट्रैक के रास्ते चलाया गया। इससे पहले नवंबर 2021 में भी इसी मंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से गर्भवती हाथिनी समेत तीन हाथियों की इसी इलाके में मौत हो चुकी है। वन्यजीव प्रेमियों ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने कहा, "तमिलनाडु के वन क्षेत्रों में एआई कैमरों के जरिए जंगल से हाथियों के बाहर आने की निगरानी की जाती है और उन्हें वापस जंगल में खदेड़ा जाता है। जब हाथी रेलवे ट्रैक पार करते हैं, तब चेतावनी जारी की जाती है और हाथियों को ट्रेन की चपेट में आने से भी रोका जाता है। इसी तरह की व्यवस्था केरल के वन क्षेत्रों में भी लागू की जानी चाहिए।" हादसे वाली जगह से करीब 300 मीटर की दूरी पर ही तमिलनाडु की सीमा है। तमिलनाडु के वन क्षेत्र की बात करें तो मदुक्कराई वन रेंज में रेलवे ट्रैक के दोनों रास्तों पर 16 करोड़ रुपये की लागत से एआई कैमरों और ड्रोन कैमरों के जरिए हाथियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

शिक्षाविदों द्वारा हस्ताक्षरित याचिका लोकसभा स्पीकर को भेजी गई

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रियंका गांधी की टिप्पणी पर जताई आपत्ति

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की ओर से आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि को लेकर लोकसभा में की गई टिप्पणी पर अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय से जुड़े 14,100 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर लोकसभा अध्यक्ष को एक याचिका भेजी है। याचिका में टिप्पणी पर संज्ञान लेने और संबंधित सांसद से टिप्पणी वापस लेने के साथ खेद जताने का भी अनुरोध किया गया है।

याचिका प्रो. राजीव सिंह की ओर से 'साइंस एंड एकेडमिक कम्युनिटी' के प्रतिनिधि के तौर पर भेजी गई है। 5 अगस्त 2026 को भेजे गए इस पत्र में कहा गया है कि इस याचिका को कम समय में शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिला है। इसमें विश्वविद्यालयों के कुलपति और पूर्व कुलपति, संस्थानों के निदेशक, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षक और शिक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। इस पत्र में कहा गया है कि लोकसभा में परीक्षा सुधारों पर चर्चा के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के लिए "गौ मूत्र एक्सपर्ट" शब्द का इस्तेमाल किया। याचिकाकर्ताओं ने इसे एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और देश के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान के प्रमुख के प्रति व्यक्तिगत और अपमानजनक टिप्पणी बताया है। याचिका में प्रो. कामकोटि के वैज्ञानिक और अकादमिक योगदान का भी उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने कंप्यूटर साइंस, साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा से जुड़े कई क्षेत्रों में योगदान दिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि किसी अकादमिक संस्थान के प्रमुख के खिलाफ इस तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी का असर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय के मनोबल पर पड़ता है। याचिका को गैर-राजनीतिक बताते हुए कहा गया है कि इसका उद्देश्य लोकतांत्रिक बहस या सरकार की नीतियों की आलोचना को रोकना नहीं है। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक संसद में नीतियों, नियुक्तियों और संस्थागत फैसलों पर तीखी बहस हो सकती है, लेकिन असहमति को व्यक्तिगत टिप्पणी या उपहास के बजाय तर्क के साथ रखा जाना चाहिए।

याचिका में लोकसभा अध्यक्ष से दो प्रमुख मांगें की गई हैं। पहली, अकादमिक समुदाय की ओर से जताई गई चिंता का संज्ञान लिया जाए। दूसरी, जिस सांसद ने टिप्पणी की है, उनसे उस अभिव्यक्ति को वापस लेने और टिप्पणी पर खेद व्यक्त करने का अनुरोध किया जाए। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष की ओर से संसदीय भाषा और मर्यादा के उच्च मानकों को लेकर स्पष्ट संदेश दिया जाना जरूरी है। उनके मुताबिक इससे देश के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के सम्मान के साथ-साथ संसद और उच्च शिक्षण संस्थानों की गरिमा भी मजबूत होगी। पत्र में यह भी कहा गया है कि 14,100 से अधिक लोगों का समर्थन यह दिखाता है कि अकादमिक और वैज्ञानिक समुदाय सार्वजनिक जीवन में एक सम्मानजनक भाषा और संस्थानों की गरिमा को लेकर गंभीर है।

मणिपुर में उग्रवादी कैडर समेत कई गिरफ्तार, ड्रग्स व विस्फोटक बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में बीते 24 घंटे में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा चलाए गए विभिन्न अभियानों में कथित जबरन वसूली में शामिल उग्रवादी कैडरों और ड्रग्स तस्करों समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियानों के दौरान बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई। 12 अगस्त को विशेष सूचना के आधार पर थौबल सीडीओ की टीम ने खोंगजोम थाना क्षेत्र के सपाम इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान केवाईकेएल के कथित सक्रिय कैडर और जबरन वसूली में शामिल 41 वर्षीय चोंगथाम प्रेमचंद सिंह को गिरफ्तार किया गया।

एक अन्य कार्रवाई में पुलिस की टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के खाबाम लामखाई से लैरौचिंग, सेनापति करोंग निवासी 26 वर्षीय लक्ष्मण रसाइली को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से कोडीन युक्त कफ सिरप की 1,908 बोतलें और एनएल 01एजी 0746 नंबर का टाटा ट्रक बरामद किया गया। थाना की एक अन्य टीम ने इंफाल ईस्ट जिले के कीराओ मार्किटिंग अवांग लीकाई निवासी 44 वर्षीय अहमद हुसैन को इरिलबुंग इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से 45 ग्राम संदिग्ध हेरोइन पाउडर बरामद हुआ।

हियांगलम थाना क्षेत्र के काकचिंग जिले में हियांगलम बशिखोंग मरिल, खोईदुम्पत इलाके में तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने करीब 1.5 किलो प्लास्टिक विस्फोटक, 14 डेटोनेटर और लगभग 12 इंच सेफ्टी फ्यूज बरामद किया। चुराचांदपुर जिले में पुलिस ने लोअर मिशन वेंग, हियांगतम लामका इलाके में एक वाहन को रोककर 43 वर्षीय थांगलामखुप मनलुन को गिरफ्तार किया। उसके पास से संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरे 33 साबुन के डिब्बे बरामद हुए, जिनका कुल वजन 474 ग्राम था। मौके से एमएन06 एल 3170 नंबर की हुंडाई क्रेटा भी जब्त की गई। इंफाल ईस्ट में सीडीओ की टीम ने 2 जैक ली के समन्वय से कोंगबा लैरेनपत से 23 वर्षीय येन्सेम्बम अनाओ मैतेई को गिरफ्तार किया।

स्वतंत्रता दिवस पर मेट्रो सेवाएं सुबह चार बजे से शुरू होगी : डीएमआरसी

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले खास मेहमानों, आमंत्रित लोगों और आम जनता की आवाजाही को आसान बनाने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) अपने पूरे नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से शनिवार सुबह 4:00 बजे मेट्रो सेवाएं शुरू करेगा। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए गुरुवार को दी गई।

विज्ञप्ति के मुताबिक 15 अगस्त दिन के तय टाइम-टेबल के अनुसार, रेगुलर सर्विस शुरू होने तक सभी लाइनों पर मेट्रो सेवाएं 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। खास मेहमानों और सही आमंत्रित लोगों के लिए बिना किसी परेशानी के यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए डीएमआरसी ने रक्षा मंत्रालय को 1,30,000 खास पहले से जारी क्यूआर टिकट उपलब्ध कराए हैं।

इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वैध फिजिकल एडमिट कार्ड वाले आमंत्रित लोगों को उनकी यात्रा आसान बनाने के लिए तय मेट्रो स्टेशनों पर खास पहले से जारी क्यूआर टिकट दिए जाएंगे।

विज्ञप्ति के मुताबिक लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल के सबसे पास के स्टेशन हैं। इन खास क्यूआर टिकटों का इस्तेमाल करके की गई यात्रा का खर्च रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को वापस किया जाएगा।

केन-बेतवा परियोजना के प्रभावितों से मिले राहुल गांधी, समस्याएं सुनकर न्याय दिलाने का आश्वासन

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश की केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की समस्याएं सुनीं और उनकी चिंताओं को आगे उठाने का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने प्रभावित लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण आदिवासियों और अन्य स्थानीय लोगों के विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजे से जुड़ी समस्याओं को उनके सामने रखा। प्रभावित लोगों ने परियोजना के चलते अपनी जमीन, घर और आजीविका पर पड़ने वाले असर से भी उन्हें अवगत कराया।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब केन-बेतवा परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर और पन्ना जिलों में आदिवासी, किसान और स्थानीय ग्रामीण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रभावित लोगों की प्रमुख चिंताओं में विस्थापन, मुआवजे में देरी, पुनर्वास की व्यवस्था और वन अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। इससे पहले 5 अगस्त को राहुल गांधी ने लोकसभा में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों के विस्थापन और पुनर्वास से जुड़ा सवाल भी उठाया था। राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय से परियोजना से प्रभावित परिवारों का विवरण और विरोध कर रहे आदिवासी समुदायों की शिकायतों पर सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी थी।

जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने लिखित जवाब में बताया कि मंत्रालय को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण विस्थापन से संबंधित कई अभ्यावेदन मिले हैं। इन अभ्यावेदनों की जांच के बाद उन्हें मध्य प्रदेश सरकार और संबंधित जिला प्रशासन को जांच तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। केंद्र ने कहा है कि वन अधिकार कानून का क्रियान्वयन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इसके तहत मध्य प्रदेश की केन नदी के पानी को उत्तर प्रदेश की बेतवा नदी तक पहुंचाया जाना है। परियोजना में बांध के अलावा नहरों और सुरंगों का निर्माण शामिल है। परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी।

परियोजना की अनुमानित लागत करीब 44 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। सरकार के अनुसार इससे बुंदेलखंड में करीब 10.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और करीब 62 लाख लोगों को पेयजल का लाभ मिलेगा।

असम में बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में संघ कार्यकर्ता सेवाकार्यों में जुटे

एजेंसी, लखनऊ

गुवाहाटी। असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में व्यापक स्तर पर हुई क्षति के बीच राष्ट्रीय स्वयंवेसक संघ एवं विचार परिवार के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ राहत और पुनर्स्थापन कार्यों में जुटे हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद 3 एवं 4 अगस्त को कार्यकर्ताओं ने संबंधित जिलों का भ्रमण कर प्रभावित परिवारों से संपर्क किया और वहां तत्काल राहत एवं भविष्य की पुनर्वास आवश्यकताओं का आकलन किया। पड़ोसी राज्य नगालैंड की पहाड़ियों में हुई मूसलाधार वर्षा, भूस्खलन तथा तीव्र जलप्रवाह ने ऊपरी असम में गंभीर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दी। इसका व्यापक प्रभाव शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में देखा गया। जिसमें शिवसागर जिला सर्वाधिक प्रभावित रहा। चराईदेव और जोरहाट में भी भारी क्षति हुई, जबकि गोलाघाट भी काफी प्रभावित हुआ।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस आपदा में अबतक 104 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हजारों की संख्या में परिवार तथा चार लाख से अधिक नागरिक इससे प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं आजीविका से जुड़ी गंभीर चुनौतियां बनी हुई हैं।

इस गंभीर आपदा के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक तथा संघ परिवार से जुड़े विभिन्न संगठनों ने समाज के सहयोग से समन्वित राहत एवं पुनर्वास अभियान चलाया। भोजन, वस्त्र, बिस्तर, दवाइयां और आवश्यक घरेलू सामग्री पहुंचाने के साथ चिकत्सा सेवा, स्वच्छता एवं विसंक्रमण, श्रमदान, प्रभावित परिवार की सहायता, कृषि पुनर्स्थापन तथा विद्यालय, नामघर और घर की सफाई एवं पुनर्वास जैसे कार्य चरणबद्ध रूप से किए गए। रिपोर्ट में तत्काल आवश्यकताओं के रूप में खाद्य सामग्री, वस्त्र, बिस्तर, बर्तन, शिशु आहार, पशु आहार, दवाइयां, पेयजल, वाटर फिल्टर, क्लोरीन टैबलेट एवं अन्य पुनर्वास सामग्री भी चिन्हित की गई थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं संघ परिवार के विभिन्न संगठनों ने समन्वित रूप से राहत, सेवा एवं पुनर्वास कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेवा भारती पूर्वांचल, एनएमओ असम, एएमओ असम, सु-का-फा हास्पिटल, अभाविप, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारत विकास परिषद, संस्कृत भारती, राष्ट्र सेवका समिति/उत्कर्षिणी सेवा न्यास, लघु उद्योग भारती, भारतीय मजदूर संघ, विश्व हिन्दू परिषद, हेडगेवार स्मारक समिति, मधुकर सेवा न्यास एवं कल्याण आश्रम सहित सभी संगठनों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में राहत वितरण, चिकित्सा सेवा, स्वच्छता, श्रमदान, कृषि सहायता एवं पुनर्वास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नड्डा 16 अगस्त को बंगाल में शुरू करेंगे आयुष्मान भारत सेवाएं

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा आगामी 16 अगस्त को कोलकाता पहुंचेंगे और आयुष्मान भारत योजना के तहत बंगाल में स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब राज्य में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने वाले हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 16 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित आयुष्मान भारत कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहने की संभावना है। राज्य सरकार 16 अगस्त को आयुष्मान दिवस के रूप में मनाएगी और इसी दिन लाभार्थियों के लिए योजना के तहत स्वास्थ्य सेवाएं शुरू की जाएंगी।

सूत्रों के अनुसार, आयुष्मान भारत से जुड़ा एक दूसरा कार्यक्रम भी 17 अगस्त को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जेपी नड्डा 16 अगस्त को कोलकाता में भाजपा के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में पार्टी के वक्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिन्हें बाद में 22 से 30 अगस्त तक पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविरों में जिम्मेदारी दी जाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश और पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुनील बंसल के भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने वाला आरोपित गिरफ्तार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया उच्चस्तरीय जांच का आदेश

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर गुरुवार को दोपहर नांदेड़ में करीब डेढ़ बजे जानलेवा हमला करने वाले आरोपित जसपाल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच का आदेश नांदेड़ जिले के जिला पुलिस अधीक्षक को दिया है।

इस घटना में घायल पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल का इलाज यशोसाई अस्पताल में हो रहा है, जबकि हमले में बादल की पत्नी अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल भी वहां मौजूद थीं। हालांकि, उन पर कोई हमला नहीं हुआ और वे सुरक्षित हैं।

नांदेड़ के जिले के जिला पुलिस अधीक्षक रोहन नीलाभ ने बताया कि सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमला करने के मामले में जसपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुखबीर बादल पर हुए हमले के बाद इसके पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री ने बादल से फ़ोन पर बात की और उनका हाल-चाल जाना। इस मामले में नांदेड़ पुलिस आरोपित जसपाल सिंह से पूछताछ कर रही है।

एफसीआरए बिल का मिलीभगत से हुआ राजनीतिकरण जल्दबाजी में जेपीसी को भेजा गया : मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष और सत्ता पक्ष ने मिलकर एफसीआरए अर्थात विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक का राजनीतिकरण कर दिया है। इसके कारण इस विधेयक को जल्दबाजी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि संसद नहीं चलने से सरकार कई महत्वपूर्ण बिल बिना बहस के ही पास करा ले रही है। ये सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत लगती है। मायावती ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एफसीआरए संशोधन बिल, जिसे सरकार अति-महत्वपूर्ण बताकर अन्य विधेयकों की तरह ही इसे तुरन्त पास कराना चाहती थी, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते व संसद में इस पर बिना प्रारम्भिक चर्चा के ही इसे कल काफी आपाधापी में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए संशोधन बिल को कांग्रेस पार्टी व इनके सहयोगी दल सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विरोधी बताकर इस बिल को वापस लेने की मांग कर रहे हैं, जबकि सरकार इसे विदेश फण्डिंग के उपयोग में कथित भ्रष्टाचार से जोड़कर इसमें कठोर बदलाव करना चाहती है। इससे स्पष्ट है कि इस बिल का सत्ता व विपक्ष दोनों ने ही राजनीतिकरण ज्यादा कर दिया है।

मायावती ने कहा कि यह बेहतर होता यदि विपक्ष कल इस विधेयक को रखने के दौरान संसद को चलने देता और इसकी कमियों को उजागर करता तो उसे पूरा देश जानता, लेकिन इन्होंने संसद को ही अपनी जिद के हिसाब से नहीं चलने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे अनेकों और बिल भी विपक्ष द्वारा संसद को नहीं चलने देने की वजह से सरकार ने उन्हें मिनटों में पास करा दिये, जिन्हें इनको रोकना चाहिये था। जो विपक्ष ने ऐसा नहीं किया, जिसका सरकार अपने पक्ष में पूरा फायदा उठा रही है। इससे विपक्ष की या तो अन्दरुणी मिलीभगत लगती है या फिर जेन-जी के वोटों के स्वार्थ में इन्हें देश के अन्य मुद्दे बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहे हैं। वर्तमान हालात में जेन-जी की समस्याओं के मुद्दे को प्राथमिकता देते हुये इनको जनहित के अन्य मुद्दों को भी महत्व देना चाहिये था। इसके साथ ही, इनको अयोध्या में राम मन्दिर के कथित चढ़ावे में गड़बड़ी का मुद्दा भी संसद में उठाना चाहिये था, जिसे भी अब विपक्ष ने अपने राजनैतिक स्वार्थ में उसे पीछे कर दिया है। बसपा प्रमुख ने अपील करते हुए कहा कि देश की जनता, सत्ता व विपक्ष के बीच इस समय संसद सत्र के दौरान भी चल रही उनके अपने-अपने राजनैतिक स्वार्थ की लड़ाई से पूरी तरह से सचेत रहते हुये एकमात्र अम्बेडकरवादी बहुजन समाज पार्टी, जो 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीतियों व सिद्धान्तों के आधार पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से चल रही है, उससे देश व आम-जनहित में जुड़ें। यही समय की मांग व सर्वसमाज के हित में भी है।

14-08-2026 T.P. Page 8_Layout 1 14-08-2026 09:25 Page 1

'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए।

फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।' उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट- मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।'

नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

नयनतारा ने तोड़ा अपना नियम 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल इवेंट में पहुंचने के पीछे का बताया कारण

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा आमतौर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती हैं, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, ''मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूं। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पातीं, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूं। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।''

'टॉक्सिक' के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे। उन्होंने कहा, ''यश ने मुझे सिर्फ फोन किया और उनके लिए इतना ही काफी था कि मैं इस इवेंट में शामिल हो जाऊं।'' नयनतारा ने यश के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री में हर बड़ा कलाकार अपने आप में खास होता है और सभी कलाकारों में कुछ अलग खूबियां होती हैं। यही वजह है कि वे सभी सुपरस्टार बने हैं लेकिन यश के साथ मेरी पहली मुलाकात का अनुभव कुछ अलग रहा। यश की पर्दे पर जो बड़ी और दमदार छवि दिखाई देती है, असल जिंदगी में भी वह काफी हद तक वैसे ही हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''यश को पहली बार मिलने पर मुझे यह महसूस हुआ कि उनका पर्दे वाला व्यक्तित्व सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। उनकी शख्सियत में भी वही आत्मविश्वास और प्रभाव नजर आता है, जो उनकी फिल्मों में दिखाई देता है।

'लव एंड वॉर' का हिस्सा हो सकती हैं दीपिका

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' पहले से ही बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। अब रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दीपिका पादुकोण के भी फिल्म में होने की नई अटकलों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन 'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज ने कास्टिंग की इन अफवाहों को हवा दी है।

'लव एंड वॉर' के आईएमडीबी पेज के कास्ट सेक्शन में मुख्य कलाकारों के साथ दीपिका पादुकोण का नाम भी देखा जा सकता है। हालांकि उनके रोल के बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर लोग सोच रहे हैं कि शायद दीपिका फिल्म में एक स्पेशल अपीयरेंस (छोटी भूमिका) में दिख सकती हैं। मेकर्स ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अगर भंसाली और दीपिका एक बार फिर साथ आते हैं, तो यह दर्शकों के लिए एक तोहफा होगा। रणबीर और दीपिका ने 'बचना ऐ हसीनों', 'ये जवानी है दीवानी' और 'तमाशा' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। वे दोनों आज के समय की सबसे मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं।

एग फ्रीजिंग ट्रेंड पर बोलीं सुरभि चंदना

एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने एक्ट्रेस और महिला सेलिब्रिटीज के बीच एग्स फ्रीज करने के बढ़ते ट्रेंड पर अपनी राय दी। खास बातचीत में सुरभि ने कहा कि हालांकि वह उन सभी महिलाओं का समर्थन करती हैं जो अपने एग्स फ्रीज करने का फैसला करती हैं, लेकिन उन्हें खुद ऐसा करने की जरूरत महसूस नहीं होती, क्योंकि वह चीजों को उनके नैचुरल तरीके से होने देने में विश्वास रखती हैं। 'नागिन' एक्ट्रेस से पूछा गया, 'आजकल बहुत सी एक्ट्रेस अपने एग्स फ्रीज करवा रही हैं। इस पर आपकी क्या राय है?' इस पर जवाब देते हुए सुरभि ने अपनी बहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने बिना किसी मेडिकल मदद के 39 साल की उम्र में मां बनने का अनुभव लिया। उन्होंने बताया, 'मेरी बहन ने 39 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया। वह अब दो साल का है - और यह एक नॉर्मल डिलीवरी थी। मैं भी इसमें विश्वास रखती हूं, और जो लोग एग्स फ्रीज करना जरूरी समझते हैं, बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसा कि मेरी गायनेकोलॉजिस्ट ने मुझे बताया था, अगर आप ऐसा करती हैं तो बहुत ज्यादा हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।' 'मुझे लगता है कि हर बच्चा अपनी किस्मत लेकर इस दुनिया में आता है। मुझे नहीं पता कि क्या होगा, लेकिन मुझे लगता है कि मेरी बहन, जिसकी नौकरी में बहुत ज्यादा ट्रैवल करना पड़ता है और जिसका शरीर बहुत ज्यादा तनाव से गुजरता है, अगर वह नैचुरली बच्चे को जन्म दे सकती है, तो मैं भी नैचुरल तरीका ही अपनाना चाहती हूं।' सुरभि ने आगे माना कि उन्हें अभी भी एग्स फ्रीज करने की प्रक्रिया से जुड़े हार्मोनल असंतुलन से थोड़ा डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि हम कब प्लान करेंगे, लेकिन यह सही समय आने पर होगा। जब भी ऐसा होगा, यह भगवान का तोहफा होगा।'

104 डिग्री बुखार में भी शूटिंग करती रहीं अविका गोर, डेंगू ने बिगाड़ी तबीयत

'बालिका वधू' और 'ससुराल सिमर का' जैसे मशहूर शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली टीवी और फिल्म एक्ट्रेस अविका गोर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। पिछले पांच दिनों से 103-104 डिग्री के खतरनाक बुखार से जूझ रहीं अविका को डेंगू की पुष्टि होने के बाद मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अविका गोर को गंभीर हालत के बावजूद काम के प्रति उनका समर्पण देखकर हर कोई हैरान है। इस कठिन समय में उनके पति मिलिंद चंदवानी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अविका का हेल्थ अपडेट दिया है और फैंस से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करने की अपील की है।

104 डिग्री बुखार में 2 दिन का काम 1 दिन में निपटाया

मिलिंद चंदवानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अविका के काम के प्रति असाधारण जुनून का खुलासा किया। मिलिंद ने बताया, अविका पिछले पांच दिनों से 103 से 104 डिग्री बुखार से तप रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने काम से ब्रेक नहीं लिया। उनके एक प्रोजेक्ट की दो दिन की शूटिंग बाकी थी। इतने तेज बुखार में भी उन्होंने इतनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दी कि मेकर्स ने दो दिन का काम महज एक ही दिन में पूरा कर लिया। शूटिंग खत्म करने के बाद अविका को दो दिन का ब्रेक मिला। इस दौरान वह पूरी तरह बिस्तर पर थीं, दवाइयां ले रही थीं और उनके लिए ठीक से खाना खाना या हिलना-डुलना भी मुश्किल हो रहा था। लेकिन अपने पुराने प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के लिए वह इसी हालत में दिल्ली के लिए रवाना हो गईं और वहां एक विज्ञापन की शूटिंग पूरी की। दिल्ली जाने से पहले अविका ने ब्लड टेस्ट कराया था। जब वह वापस मुंबई लौटीं, तब रिपोर्ट में डेंगू होने की पुष्टि हुई, जिसके तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा।

मेरे बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से हैं, जो अपने निर्भय और बिंदास बोल के कारण हमेशा सुर्खियों भी रहते हैं। हाल ही में अपने कुछ बयानों के कारण वे विवादों में आ गए थे। उससे होने वाले खामियाजे के बारे में वे कहते हैं, 'सच कहूं, तो मैंने कभी निर्भय होकर अपनी बात नहीं रखी है। मैंने तो हाल ही में जितना संभव हो सकता था, सच बोलने की कोशिश की है। मेरे उन्हीं बयानों को तोड़-मरोड़ कर बुरा बनाकर पेश किया गया। मेरा निजी तौर पर किसी से कोई बैर नहीं। हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे माफ कर दो। मुझसे मत पूछो मैं नहीं जानता।'

तोड़ा-मरोड़ा कंटेंट दिया जाता है

वह आगे कहते हैं कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली कुछ सेकंड्स की क्लिप्स के लिए भी ऐसा तोड़ा-मरोड़ा हुआ कंटेंट दिया जाता है। वह कहते हैं, 'इस तरह की क्लिप्स में जनता को भी खूब रस आता है। तो इसे दिखाने वाले उसी सनसनीखेज अंदाज में पेश करते हैं। मुझे लगता है इन मामलों में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।'

हमारी नाटक कंपनी को नीची निगाह से देखा जाता था

हरफनमौला अन्नू कपूर एक जमाने में आईएएस ऑफिसर बनना चाहते थे। अपने उस दौर का जिक्र करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे पिताजी की जो नाटक कंपनी थी। उसके कारण हमें नीची निगाह से देखा जाता था। इसलिए माता जी की इच्छा थी कि हम किसी भी इज्जतदार प्रोफेशन में जाएं। जैसे पुलिस, डॉक्टर, आईपीएस अफसर आदि। मैं पढ़ाई में अच्छा था, तो माता जी को मुझसे ही उम्मीद थी, मगर फिर हालात ऐसे बने कि पढ़ाई छूट गई। मैं भी नाटक कंपनी से जुड़ गया। हम तो टैंटों में रहा करते थे। हम घुमंतू जैसे फोक नाटक कंपनी में काम करते थे, तो बारिश के दिन हमारे लिए बहुत ही कहर बरसाने वाले होते थे। घुमंतू नाटकों में 15 दिन इस गांव में, तो 15 दिन उस गांव में जाना होता था। हर नई जगह जाकर स्टेज तैयार करना होता था। अब अगर बारिश हुई तो हम नाटक ही नहीं कर पाएंगे, क्योंकि सब कुछ ओपन एर में होता था। नाटक नहीं कर पाएंगे, तो पब्लिक नहीं आएगी और पब्लिक नहीं आई, तो पैसा नहीं मिलेगा। तब हमें भूखे भी रहना पड़ेगा। तो हम लोग तो भोंपू लेकर बारिश के रुकने के इंतजार में बैठे रहते थे कि कब भोंपू बजाएं और कब लोगों को नाटक के लिए बुलाएं। तब बारह आने हुए एक रुपए का टिकट हुआ करता था।'

कब्रिस्तान जाकर पढ़ाई करता था

अन्नू कपूर की हालिया रिलीज 'उत्तर दा पुत्तर' में वास्तु के अलावा अंधविश्वास के मुद्दे भी बात की गई। अन्नू कपूर ने बताया कि वह जरा भी अंधविश्वासी नहीं हैं। उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों एक एक किस्सा बयान करते हुए कहा, 'मैं जब नीमच-मध्यप्रदेश में जीवाजीराव सिंधिया हॉस्टल में पढ़ा करता था, तब वहां उस जमाने में हमारे हॉस्टल के पास अंग्रेजों के जमाने का क्रिश्चनों का ग्रेवयार्ड था। मेरे मन में बहुत चाह जागती थी कि चांदनी रात में लालटेन लेकर उस कब्रिस्तान में पढ़ूं तो सही। आपको सुन कर अटपटा लगेगा, मगर मैंने जब वहां पढ़ना शुरू किया, तो मेरा मन लगने लगा।'

हर दिन शुभ, कोई जगह मनहूस नहीं होती

'फिजिक्स केमिस्ट्री का कोई इक्वेशन अगर समझ में नहीं आ रहा है, तो वहां समझ आने लगा। रिजल्ट भी अच्छा आया। मेरी देखा -देखी में मैंने भी अपने दोस्तों को वहां पढ़ने की दावत दी। पहले तो वो थोड़ा झिझके, मगर फिर वो लोग भी जुड़ गए। सालों बाद जब मेरा नीमच जाना हुआ, तो मैं उसी ग्रेवयार्ड को खोज रहा था। तब मेरे साथ के लोग बोले कि अब तो उस पूरे इलाके में बस्तियां बस गई हैं। अब तो उस जगह को आप कब्रिस्तान के रूप में ढूंढ ही नहीं पाएंगे। तो जाहिर है कि अपने कॉलेज के जमाने में भी मैं अंधविश्वासी नहीं था। मेरा मानना कि हर दिन शुभ होता है। कोई भी जगह मनहूस नहीं होती।'